दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 153 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 05 सितंबर 2025

डाक-शनिवार 06 सितंबर 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

श्रीलंका में बस हादसा, 15 लोगों की मौत, 16 घायल

कोलंबो, 05 सितंबर (एजेंसी)। श्रीलंका के उवा प्रांत में एला-वेल्लावेया मार्ग पर गुरुवार रात एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा तब हुआ जब एक बस सडक़ से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि घायलों में कुछ की स्थिति बेहद गंभीर है। बस में सवार यात्री एक समूह में थे और वे छुट्टियां मना कर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि दुर्गम इलाके में पुलिस, सेना, अग्निशमन विभाग और स्थानीय लोगों के साथ बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह चार बजे तक जारी रहा।

34 गाड़ियों में बम हैं, 400 किलो आरडीएक्स से पूरा शहर हिला देंगे', मुंबई पुलिस को विस्फोट की धमकी

मुंबई , 05 सितंबर (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 34 गाड़ियों में बम लगाए जाने की धमकी मिली है। ये धमकी व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से मिली है, जिसके बाद पुलिस सतर्क हो गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा यह मैसेज मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर भेजा गया, जिसमें दावा किया गया कि 34 गाड़ियों में बम लगाए गए हैं और 400 किलो आरडीएक्स के विस्फोट से पूरा मुंबई शहर हिल जाएगा। इस मैसेज में 'लश्कर-ए-जिहादी' नामक संगठन का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस चुके हैं और इस विस्फोट से 1 करोड़ लोगों की जान जा सकती है।

मुंबई पुलिस ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस व्हाट्सएप नंबर से यह मैसेज भेजा गया, उसे ट्रेस करने का काम शुरू कर दिया गया है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "मुंबई पुलिस हमेशा अलर्ट पर रहती है और हमारी नजर हर चीज पर है। जनता को घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सब कुछ शांत है।

ऐसा पहली बार नहीं है जब इस तरह की धमकी दी गई है। 22 अगस्त को मुंबई के गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। धमकी भरा ईमेल इस्कॉन मंदिर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आया था। सूचना के बाद मौके पर पुलिस और बम निरोधक टीम पहुंची और पूरे मंदिर परिसर की गहन जांच की गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं पाई गई थी।

इससे पहले, ईमेल के जरिए मुंबई के एक होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मुंबई के वरली स्थित 'फोर सीजन' होटल को एक अज्ञात शख्स की ओर से धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। होटल प्रशासन ने तुरंत मेल की जानकारी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को दी। ईमेल में तमिलनाडु पुलिस के लिए यूनियन बनाने की मांग की गई थी ईमेल के जरिए 7 आईडीएक्स और आईईडी ब्लास्ट की धमकी दी गई थी, जिसमें 'फोर सीजन', मुंबई (होटल) के 3 वीआईपी रूम का जिक्र था।

त्योहारों से पहले खुशियों का तोहफा: पीएम मोदी बोले- जीएसटी 2.0 देश के लिए सपोर्ट और ग्रोथ का डबल डोज

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि इस पुरस्कार के लिए आपका चयन, आपका परिश्रम, आपकी निरंतर साधना का एक प्रकार से प्रमाण है, तभी ये सब संभव होता है। एक शिक्षक सिर्फ वर्तमान नहीं होता, बल्कि देश की भावी पीढ़ी को भी गढ़ता है, वो भविष्य को निखारता है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि ये भी देश सेवा की श्रेणी में किसी भी प्रकार से किसी की भी देश सेवा से कम नहीं है। हमारा देश हमेशा से गुरु-शिष्य परंपरा का उपासक रहा है। गुरु को जीवन का मार्गदर्शक माना गया है। मां जन्म देती है और गुरु जीवन देता है। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, तब ये गुरु-शिष्य परंपरा भी हमारी बहुत बड़ी ताकत है। शिक्षक एक मजबूत देश, एक सशक्त समाज की बुनियाद होते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने इस

बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करना बहुत जरूरी है। मैंने देशवासियों से भी ये वादा किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का डबल धमाका होगा। भारत सरकार ने बुधवार को राज्य के साथ मिलकर के बहुत बड़ा निर्णय किया है। अब जीएसटी और भी ज्यादा सरल हो गया है। जीएसटी के मुख्यतः दो ही रेट 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रह गए हैं। 22 सितंबर, सोमवार, नवरात्र के पहले दिन से जीएसटी की नई दरें लागू हो जाएंगी।

उन्होंने आगे कहा कि इस बार धनतेरस की रौनक भी और ज्यादा रहेगी, क्योंकि दर्जनों चीजों पर टैक्स अब बहुत ही कम हो गया है। 8 साल पहले जब जीएसटी लागू हुआ तो कई दशकों का सपना साकार हुआ। यह आजाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक है। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में आगे बढ़ते भारत में जीएसटी में भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म किया गया है। जीएसटी 2.0 ये देश के लिए सपोर्ट और ग्रोथ की डबल डोज है। नए जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर परिवार को बहुत बड़ा फायदा होगा। गरीब, नव मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग महिलाएं, स्टूडेंट्स, किसान, नौजवान, सभी को जीएसटी टैक्स कम करने से जबर्दस्त फायदा होगा। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी में रिफॉर्म से भारत की शानदार अर्थव्यवस्था में पंचरत्न जुड़े हैं। पहला, टैक्स सिस्टम कहीं अधिक सिंपल हुआ।

चूहों के कुतरने से दो नवजात की मौत, सीएम यादव ने दिए उच्चस्तरीय जांच के निर्देश

इंदौर,05 सितंबर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल, इंदौर के महाराजा यशवंतराव (एमवाय) में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां चूहों के कुतरने से दो नवजातों की मौत हो गई। घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्वास्थ्य मंत्री समेत सभी संबंधितों को निर्देश देते हुए उच्च स्तरीय जांच करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। डॉ यादव ने कल देर रात इंदौर प्रवास के दौरान संवाददाताओं से कहा कि सरकार द्वारा किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह की घटनाएं न हो, इसके लिए समस्या का स्थाई समाधान किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गंभीर घटना एवं लापरवाही के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, कलेक्टर को निर्देश दिए है कि इस प्रकरण में उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

भगवान कृष्ण की पावन नगरी में पाप का धंधा, मथुरा के गेस्टहाउसों पर छापेमारी, देह व्यापार के चंगुल से 11 युवतियां छुड़ाई गईं

मथुरा, 05 सितंबर (एजेंसी)। धार्मिक नगरी मथुरा में अश्लीलता का नंगा नाच रचा जा रहा था। भगवान कृष्ण की पावन नगरी में देह व्यापार का धंधा किया जा रहा था। अब पुलिस ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मथुरा में पुलिस ने शहर के दो गेस्टहाउस में कथित देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ किया और कई महिलाओं को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये छापे बृहस्पतिवार शाम को कोतवाली और हाईवे थाना क्षेत्रों में की गई। पुलिस

उपाधीक्षक आशना चौधरी ने बताया कि पिछले दिनों ऐसे ही दो अतिथि गृहों से अवैध एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त 15 युवतियों को मुक्त कराया गया था। उन्होंने कहा, "पुलिस उन गेस्टहाउस की पहचान करने का प्रयास कर रही है जहां त्वरित लाभ के लिए अवैध और अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।" चौधरी ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के सोंख रोड स्थित एक गेस्टहाउस में छापेमारी के दौरान पांच महिलाएं और एक ग्राहक मौजूद थे।

गेस्टहाउस संचालक दीपक खंडेलवाल को भी हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार हाईवे थाना क्षेत्र में एक होटल से छह युवतियों को बचाया गया लेकिन छापे के दौरान होटल मालिक और ग्राहक भाग निकले, मौके से बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस सभी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर पूछताछ कर रही है।

एससी ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की जमानत याचिका पर एनआईए से मांगा जवाब

नई दिल्ली , 05 सितंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में आरोपी अलगाववादी कश्मीरी नेता शब्बीर अहमद शाह की नियमित जमानत याचिका पर गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है। अदालत ने इस दौरान शाह की अंतरिम जमानत की मांग को ठुकरा दिया। अब दो हफ्ते बाद उनकी नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। शब्बीर शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्विस ने अदालत में दलील दी कि 74 वर्षीय शाह पिछले छह साल से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ दर्ज मामले में करीब 400 गवाहों की सूची दी गई है, लेकिन अभी तक केवल 15 गवाहों की ही गवाही हो पाई है। गोंसाल्विस ने यह भी कहा कि नियमित जमानत पर सुनवाई होने तक शाह को अंतरिम जमानत दी जाए, ताकि उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें राहत मिल सके। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने से इंकार करते हुए स्पष्ट किया कि इस मामले पर अगली सुनवाई नियत तिथि पर ही होगी।

बच्चे टूटी पुलिया, उफनती नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने संज्ञान लेकर राज्य सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। बस्तर अंचल के दंतेवाड़ा और आसपास के जिलों में बच्चे टूटी पुलिया और उफनती नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि यह बच्चों की जिंदगी से जुड़ा संवेदनशील मामला है और लंबे समय तक ऐसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इस गंभीर मामले पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने स्वतः

संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि पुल निर्माण का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है और तकनीकी आपत्तियों का समाधान कर संशोधित डीपीआर 20 अगस्त को गृह मंत्रालय को भेज दी गई है। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि बच्चों की जान को जोखिम में डालना अस्वीकार्य है। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

मामला मीडिया रिपोर्ट के बाद सामने आया था, जिसमें स्कूली बच्चों की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए। बच्चे पानी से भरी नदी पार कर स्कूल पहुंच रहे थे। कोर्ट ने इसे बच्चों की जान से जुड़ा मामला मानते हुए स्वतः संज्ञान में लिया।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल ने जानकारी दी कि, केंद्र सरकार को बड़े पुल के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है। तकनीकी जांच के बाद 12 बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया था। कांकेर कलेक्टर ने जवाब भेजकर प्रस्ताव संशोधित किया गया है। 20 अगस्त 2025 को संशोधित डीपीआर गृह मंत्रालय, भारत सरकार को भेज दी गई है। मंजूरी मिलते ही निविदा प्रक्रिया पूरी कर पुल निर्माण का काम शुरू किया जाएगा।

भूस्खलन-बाढ़ से तबाही पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर केंद्र और राज्य सरकारों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,04 सितंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमालयी क्षेत्र में विनाशकारी भूस्खलन और बाढ़ से जान-माल की हो रही तबाही के मद्देनजर संबंधित मामले में गुरुवार को केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंदन की पीठ ने पर्यावरण के दृष्टि से बेहद गंभीर मामला बताते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने अनामिका राणा की याचिका पर केंद्र सरकार (पर्यावरण और जल शक्ति मंत्रालय), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अलावा हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर राज्यों को जवाब तलब किया किया।

शीर्ष अदालत ने मीडिया में आ रही खबरों का जिक्र किया और कहा, हमने मीडिया रिपोर्टों में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। इससे पता चला है कि बाढ़ में भारी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बह रहे थे। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है पहाड़ियों पर पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। पीठ की ओर से मुख्य न्यायाधीश गवई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर श्री मेहता ने कहा कि वह आज ही पर्यावरण मंत्रालय (केंद्र सरकार के) के सचिव से बात करेंगे ताकि संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से संपर्क किया जा सके। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता राणा के अधिवक्ता ने दलील देते हुए कहा कि चंडीगढ़ और मनाली के बीच चौदह सुरंगें हैं। ये सुरंगें बारिश के दौरान भूस्खलन से लगभग च्चमौत का जालज्ज बन जाती हैं। अधिवक्ता ने सुरंग में करीब 300 लोगों के फंसे होने की एक रिपोर्ट का भी हवाला दिया है।

वाह वाह

टीचर- बताओ दुर्भाग्य और दुर्दशा में क्या फर्क है?

बच्चा- सर अगर इस स्कूल में आग लग जाये तो

स्कूल की हालत खराब हो जाएगी

इसे कहते हैं दुर्दशा और इतनी आग लगने पर भी

आप जिंदा बच गए तो ये होगा हमारा दुर्भाग्य

टीचर अब तक बेहोश है...

16 हजार एनएचएम कर्मचारियों ने दिया सामूहिक इस्तीफा, 18 दिन के हड़ताल से पूरे प्रदेश में मचा हड़कंप

रायपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ा आंदोलन शुरू कर दिया है। पूरे प्रदेश में 16,000 से अधिक एनएचएम कर्मचारी 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। रविवार तक कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देकर विरोध दर्ज कराया। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी कई वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार ध्यान नहीं दे रही। नियमितीकरण, वेतनमान और सेवा शर्तों में सुधार सहित कुल 10 मांगों को लेकर वे लगातार आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, हड़ताल जारी रहेगी। प्रदेशभर में चल रही इस हड़ताल का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने लगा है। ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो रही हैं। नेताओं ने कहा कि यदि आंदोलन के दौरान किसी मरीज की जान जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

भारतीय नागरिक बनने से पहले ही सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल? दस सितंबर को कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली,04 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली की एक अदालत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह मामला भारतीय नागरिकता और वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने से जुड़ा है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक यह शिकायत एक शख्स विकास त्रिपाठी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया के समक्ष लगाई है। इस मामले में अब 10 सितंबर को अगली

सुनवाई होगी। विकास त्रिपाठी के वकील का आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिक बनने से 3 साल पहले मतदाता सूची में शामिल था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, 1982 में फिर हटा दिया गया जबकि वह अप्रैल 1983 में भारत की नागरिक बनी थीं। वकील ने आगे कहा कि 1980 में मतदाता सूची में उनका नाम शामिल होने का मतलब है कि कुछ जाली दस्तावेज जमा किए गए थे और यह एक संज्ञेय अपराध का मामला है। इसलिए, उन्होंने अदालत से प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश देने का अनुरोध किया। त्रिपाठी के वकील द्वारा दलीलें पूरी करने के बाद, अदालत ने कहा कि मामले पर अगले सप्ताह फिर से विचार किया जाएगा। गांधी या दिल्ली पुलिस को अभी तक कोई औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है।

कच्चे मकान की दीवार गिरने से मासूम की मौत, दादी की हालत गंभीर

जगदलपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। बीती रात एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से 14 वर्षीय छात्र लोकेश नाग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मृतक की दादी गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना की सूचना पर सुबह पुलिस मौके पर पहुंची. यह घटना बस्तर जिले के अलनार की है। दरअसल चार कमरे के कच्चे घर में परिवार के 10 सदस्य सो रहे थे। रात करीब ढाई बजे अचानक दीवार ढह गई और मलबे में बच्चा व दादी दब गए। ग्रामीणों ने जैसे-तैसे दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना सुबह नानगुर तहसील को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते परिजनों को करीब 5 घंटे इंतजार करना पड़ा। मजबूरन शव को डिमरापाल अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। वहीं दादी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।

नई मैडम...नया सर.. युक्ति युक्तकरण से स्कूलों में पढ़ाई हुई बेहतर

पहली से लेकर बारहवीं तक के रिक्त पदों में शिक्षको की पदस्थापना से बदला माहौल, दूरस्थ गाँव में शिक्षकों को भी मिलने लगा है सम्मान के साथ पहचान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वक्त का पहिया बहुत तेजी से आगे बढ़ गया है...गाँव का वह तालाब, तालाब के किनारे का पेड़, पेड़ पर घोंसला, गांव के गौटियां के घर के पास का कुआं, कीचड़ वाले रास्ते, खपरैल वाले घर और उन घरों से ही दूर-दूर तक नजर आती खेत...खेत के मेढ़ से बस्ता टांगकर दूर तक स्कूल का सफर सहित आसपास के नजारे अब भले ही बदलाव के दौर में बदल गये हैं.... इन्हीं बदलाव में गाँव का वह स्कूल भी अब पहले जैसा नहीं रहा...भले ही कई स्कूल जहाँ संचालित थे, वहीं है लेकिन उन स्कूलों की दीवारें बदल गई है, छते बदल गई है, विद्यार्थी, शिक्षक भी बदल गए हैं..किताबें बदल गई है, ड्रेस बदल गया है...लेकिन कक्षा के भीतर मास्टरजी की सीख, बच्चों के शोर, शाला लगने और शाला से घर जाने सुनाई देने वाली घंटी की आवाजें, प्रार्थना, कतार...सबकुछ वैसा का वैसा ही तो है..। नई पहचान के साथ अब शहर से लेकर दूरस्थ गाँव तक के हर विद्यालय में क, ख, ग और ए, बी सी,डी की शोर सुनाई देती है, लेकिन यह शोर वह शोर नहीं.. जिन्हें सुनकर कान बन्द करने की नौबत आन पड़े...यह तो वह शोर है...जिसमे आने वाले भविष्य का कल छिपा है...इसे सुनकर पूरा गाँव निश्चिंत है..और खुश भी है कि उनके गांव के विद्यालय में मास्टरजी आ गये हैं। यह खुशी विद्यालयों में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों में भी है कि उन्हें नई मैडम और नया सर मिल गया है। स्कूल आने-जाने का समय हो या फिर घर में अपने भाई-बहन, माता-पिता के बीच गुजरने वाला वक्त, स्कूल की नई मैडम और नये सर का जिक्र सबकी जुबां पर है। गांव के स्कूलों में पदस्थ होने के साथ ही शिक्षकों का भी मान सम्मान बढ़ने लगा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश भर में अपनाई गई युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया से शहर से लेकर दूरस्थ गांव तक के सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करने वाले गरीब विद्यार्थियों के भाग्य खोल दिये हैं। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से उन हजारों विद्यालयों को शिक्षक मिल गया है, जहां वर्षों से शिक्षक की कमी थी। प्रदेश के लगभग 6 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालय में अतिशेष शिक्षको का समायोजन किया गया है, जिससे 4 हजार 721 विद्यालय लाभान्वित हुए है। वहीं युक्ति युक्तकरण से पूर्व प्रदेश भर में 453 शिक्षकविहीन विद्यालय थे। इन विद्यालयों में से 446 विद्यालयों में अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना कर राज्य शासन ने शिक्षक की कमी से वंचित विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने के साथ ही शिक्षको की गारंटी और पढ़ाई के साथ बच्चों की भविष्य भी सुनिश्चित कर दी है। कोरबा जिले में 500 से अधिक शिक्षकों को शिक्षकविहिन, एकलशिक्षकीय-द्विशिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ किया गया है। हाइ और हायर सेकंड्री विद्यालय के अतिशेष व्याख्याताओं को उन विद्यालयों में पदस्थ किया गया है, जहाँ गणित, रसायन, भौतिकी, हिंदी, अंग्रेजी, कामर्स विषयों के शिक्षकों की कमी थी। इससे पाठ्यक्रम भी समय पर पूरा होगा।

विद्यालयों में शिक्षक की पदस्थापना से विद्यार्थी भी खुश है। शहर से लगभग सौ किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच पंडोपारा में रहने वाले पंडो समाज गाँव में स्कूल में बनी शिक्षको की कमी से चिंतित थे, क्योंकि उनके बच्चे पाठशाला तो नियमित जाते थे, लेकिन विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने का खमियाजा भी बच्चों को भुगतना पड़ता था। आखिरकार जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में ऐसे शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों की सुध ली गई तो युक्ति युक्तकरण जैसी व्यवस्था ने घने जंगलों में बसे पंडो जनजाति के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की राह आसान कर दी। पंडोपारा के ग्रामीण मंगल सिंह पंडो ने बताया कि गाँव में स्कूल में दो शिक्षक होने से क्लास में सभी बच्चों की पढ़ाई तो होगी ही, अब कोई खाली नहीं बैठेगा। इसी विद्यालय में कक्षा चौथी के छात्र जगदेश्वर पंडो, तीसरी कक्षा के राजेन्द्र और दूसरी के मुकेश पंडो को भी खुशी है कि उनके स्कूल में नए गुरुजी पढ़ाने आ रहे हैं।

कोरबा ब्लॉक के सुदूरवर्ती ग्राम सांचरबहार ग्राम पंचायत नकिया का आश्रित ग्राम है। इस विद्यालय में वर्षों से नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं था। स्कूल खुलने के साथ ही गाँव के लोगों की आस थी कि उनके बच्चे भी सही ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे,

दुर्भाग्यवश उनकी आस अधूरी ही थी, क्योंकि नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता था। गाँव में रहने वाली वृद्धा मैसो बाई खुश है कि स्कूल को नियमित शिक्षक मिल गया है अब उनका नाती-नतिनी ठीक से पढ़ाई कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि रिया और आशीष विद्यालय जाते हैं। गाँव की महिला राजकुमारी बाई ने बताया कि उनका बेटा प्रमेन्द्र स्कूल जाता है। पहले आसपास के विद्यालयों से किसी शिक्षक को स्कूल भेजकर काम चलाया जाता था। अब नियमित शिक्षक आ जाने से हम सभी खुश है कि हमारे गाँव के स्कूल और बच्चों की नई पहचान बनेगी और उनकी पढ़ाई भी आसान होगी। युक्ति युक्तकरण से इस विद्यालय में नियुक्त सहायक शिक्षक श्री शेखरजीत टंडन ने बताया कि युक्ति युक्तकरण के काउंसिलिंग विद्यालय में अभी 11 बच्चे दर्ज है और उन्हें खुशी है कि सुदूरवर्ती गाँव सांचरबहार के विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने का उन्हें अवसर मिला।

करतला ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र में स्थित छोटे से गांव तिलईडबरा में भी शिक्षा की तस्वीर अब बदलने लगी है। वर्षों से शिक्षक की कमी से जूझते शासकीय प्राथमिक शाला में अब युक्तियुक्तकरण के तहत नियमित शिक्षिका श्रीमती संगीता कंवर की पदस्थापना की गई है, जिससे गांव में शिक्षा की नई रोशनी पहुंची है। शिक्षिका संगीता कंवर ने विद्यालय में पदभार ग्रहण करने के साथ ही बच्चों को पढ़ाना प्रारंभ किया। आज वे नियमित रूप से कक्षाएं ले रही हैं और बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा दे रही है। शिक्षिका की उपस्थिति से बच्चों का मन भी पढ़ाई में मन जम रहा और वे भी अध्ययन में रुचि ले रहे।

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के वनांचल क्षेत्र मांचाडोली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जीव विज्ञान विषय की शिक्षिका श्रीमती राजमणि टोप्पो की पदस्थापना की गई है। विद्यालय में लंबे समय से जीव विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय की विशेषज्ञ शिक्षक की कमी महसूस की जा रही थी। 12वीं जीव विज्ञान के छात्र दीक्षांत दास मानिकपुरी ने कहा नई मैडम के आने से जीव विज्ञान विषय आसान हो गया है। पहले हम कोशिका, डीएनए, आरएनए, हार्मोन जैसे शब्दों के अर्थ को समझने में उलझे रहते थे। अब शरीर की बनावट, शारीरिक अंगों के क्रियाकलाप को बेहतर समझ पा रहे है। पादप, जंतु और सूक्ष्म जीवों के सरंचनाओं की समझ बढ़ी है। अब हम उन्हें समझने की कोशिश करते हैं। विषय विशेषज्ञ शिक्षिका के आने से कक्षा की सोच बदल गई है। अब हम सभी डॉक्टर, वैज्ञानिक बनने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

इसी क्रम में ग्राम पचरा में संचालित हाई स्कूल में भी शिक्षको की कमी बनी हुई थी। विद्यालय में कक्षा नवमीं में 48 और कक्षा 10वीं में 25 विद्यार्थी है। विद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं विद्या, मानमती, सुहानी यादव ने बताया कि गांव के विद्यार्थियों को गणित, अंग्रेजी विषय थोड़ा कठिन लगता है, गणित के शिक्षक पहले से हैं, अब हमारे स्कूल में अंग्रेजी के सर आ गए हैं। स्कूल में बहुत दूर-दूर के गाँव से लड़के-लड़कियां पढ़ाई करने आती है। सभी विषयों की पढ़ाई होने से हम लोग का मन भी स्कूल आने में होता है। यहां अंग्रेजी विषय में युक्तियुक्तकरण से गोपाल प्रसाद भारद्वाज पदस्थ हुए हैं। इसी तरह कोरबा ब्लॉक के चचिया में हायर सेकेण्डरी स्कूल में गणित और करतला के ग्राम केरवाद्वारी में भौतिक विषय की शिक्षिका पदस्थ हुई है। विद्यार्थियों को कठिन सा विषय लगने वाले गणित, भौतिक, अंग्रेजी सहित अन्य विषयों के व्याख्याता मिल जाने से विद्यार्थी बहुत खुश है।

मानदेय शिक्षक भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसन्त द्वारा डीएमएफ से मानदेय शिक्षको की नियुक्ति अनेक विद्यालयों में की गई है। जिले के प्राइमरी स्कूल में 243,मिडिल स्कूल में 109 और हायर सेकंडरी स्कूल में 120 शिक्षको को मानदेय पर रखा गया है। ये शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। इन्हें विद्यालयों में शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया गया है। इसके अतिरिक्त संविदा से नियुक्त शिक्षक भी अध्यापन करा रहे हैं।

स्कूल भवनों सहित अन्य सुविधाओं पर भी दिया जा रहा है ध्यान-जिले के जर्जर विद्यालयों को मरम्मत के साथ ही आवश्यकता वाले स्थानों पर नवीन विद्यालय भवन, किचन शेड, टॉयलेट, बाउंड्रीवाल, साइकिल स्टैंड, न्यूज़ पेपर स्टैंड सहित अन्य सुविधाओं के लिए कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा खनिज संस्थान न्यास मद से स्वीकृति प्रदान की गई है। स्कूलों में भृत्य के रिक्त पदों पर मानदेय में 310 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है। खास बात यह भी है कि जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार से संबंधित युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर शिक्षक और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्त किया गया है। स्कूली विद्यार्थियों के लिए नाश्ते का वितरण और प्रतिभावान विद्यार्थियों को नीट, जेईई सहित अन्य में प्रवेश के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था ने जिले में शैक्षणिक माहौल कायम किया है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मोदी का किया स्वागत

जिला कार्यकारिणी के घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा होते ही जिलेभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों सहित सभी कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर और जोरदार नारों के बीच गोपाल मोदी का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। पुष्पगुच्छ भेंट कर और मिठाई

खिलाकर कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। सुबह से लेकर देर शाम तक बधाई देने का सिलसिला जारी रहा और जिलाध्यक्ष के पास कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि जिला कार्यकारिणी का गठन प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के अनुमोदन पश्चात किया गया है। इसमें चारों विधानसभा क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। हर वर्ग एवं समुदाय के कार्यकर्ताओं का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही युवा कार्यकर्ताओं को भी स्थान दिया गया है, जिनका अनुभव और समर्पण पार्टी संगठन को नई ऊँचाई तक ले जाएगा। सभी पदाधिकारी मिलकर भाजपा संगठन को जिले में और सशक्त बनाएंगे तथा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प-सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को और मजबूती प्रदान करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

लाद के पटवारी जितेंद्र निलंबित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर अजीत वसंत ने शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर अजगरबहार तहसील के पटवारी जितेंद्र कुमार भावे को निलंबित कर दिया है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बरपाली रखा गया है। पटवारी जितेंद्र भावे पहले पोड़ी उपरोड़ा तहसील के लाद में पदस्थ थे। लेकिन शासकीय कार्यों को समय पर पूरा नहीं करते हुए लापरवाही बरत रहे थे। इस मामले में एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा ने जांच के बाद प्रतिवेदन दिया था। जिसके आधार पर कलेक्टर ने पटवारी को निलंबित कर दिया। बताया जा रहा है कि पटवारी अपने मुख्यालय में नहीं रहते थे। नई पदस्थापना स्थल पर भी उनको नहीं देखा गया। जिसकी वजह से कामकाज प्रभावित हो रहा था।

बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना को अतिशीघ्र पूरा करने की पहल

रायगढ़ स्टेशन को चौथी रेल लाइन से जोड़ने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचना विकास में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। क्षमता आवर्धन के कार्यो को तीव्र गति से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिससे परिचालन की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

इसी क्रम में बिलासपुर-झारसुगुड़ा 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन परियोजना का कार्य अंतिम चरण में है। इस परियोजना के अंतर्गत रायगढ़ स्टेशन को चौथी रेल लाइन से जोड़ने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस दौरान स्टेशन यार्ड का मॉडिफिकेशन भी किया गया, जिससे यार्ड की संरचना को आधुनिक स्वरूप प्राप्त हुआ है। इस कार्य में 28 टर्नआउट्स को हटाकर पुनः स्थापित किया गया, 4 टी-28 पोर्टल्स का उपयोग कर जटिल कार्य पूरे किए गए, ञत्रक्ष और क्ष्टरू मशीनों की मदद से 850 मीटर ट्रैक नवीनीकरण एवं डीप स्क्रीनिंग की गई, 1500 मीटर तक ट्रैक स्लूइंग व

लिंकिंग का कार्य संपन्न हुआ और प्लेटफॉर्म संशोधन भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्य में 350 से अधिक श्रमिक, 28 से अधिक इंजीनियर, स्टेशन मास्टर एवं मुख्य यातायात निरीक्षक लगातार दिन-रात जुटे रहे। भारी वर्षा जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया गया।

इस परियोजना के पूर्ण होने से रेल संचालन की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी, जिससे न केवल ट्रेनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित होगा बल्कि यात्रियों को भी अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं समयबद्ध यात्रा सुविधा प्राप्त होगी।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा लाभ कमायेंगें, भौतिक ङ्क सुख सुविधाओं की बढ़ोत्तरी होगी। इस राशि के छात्रों का दिन खुशनुमा रहेगा, किसी टेस्ट पेपर में आपको अच्छे अंक प्राप्त होंगें। आज आप दूसरों की बातों को भी अहमियत देंगें और अच्छे से समझने की कोशिश करेंगें, इससे आपको लाभ मिलेगा। आज आप सामने आयी समस्याओं को सुलझाने में कामयाब साबित होंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत करेंगें, भविष्य में आपको बढ़िया लाभ होगा। आज आप अटके हुए कार्यों को पूरा करेंगें, जिससे आप अपने अन्य कार्यों को भी आगे बढ़ा पायें। इस राशि के व्यक्ति आज अपने जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहेगा। आज रोजगार की तलाश ख़त्म होगी, आपको किसी अच्छी कम्पनी से ऑफर मिलने की सम्भावना हैं। आज ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपने की काम में मदद लें... तो काम आसानी से सफल होंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप कारोबार में पैसे के लेन ङ्क देन में जल्दबाजी न दिखाएं। आज आप अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चे भी आपको खुश होने की वजह देंगें। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म भी भर सकते हैं या इन्टरव्यू में जा सकते हैं।

सिंह राशि- आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगें, किसी वरिष्ठ व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। आज आप जीवनसाथी के लिए उपहार खरीदेगें साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी ख़रीददारी भी कर सकते हैं। इस राशि की महिलाएं आज किसी काम की शुरुआत कर सकती हैं, जिसमें परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत आप किसी अच्छी आदत के साथ करेंगें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा, आप पेंटिंग भी कर सकते हैं। आज आपको मेहनत और अच्छे व्यवहार के कारण वो सब मिलेगा, जिसके आप हक़दार हैं। आज आप अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें अन्यथा विरोधी इसका लाभ उठा सकतें हैं।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज आप खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद सकतें हैं। आज आपको घर की सफाई के दौरान कोई खोई हुई चीज वापस मिल सकती है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप मेहनत और लगन से किसी काम को करने में सफल रहेंगें, जिससे पेरेंट्स भी गर्व महसूस करेंगें। आज किसी करीबी से आपको खुशखबरी मिलेगी, आपके घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आज आप जरूरतमंदो की मदद करेंगें, आपको आशीर्वाद की प्राप्ति होगी।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहेगा। आज आपको ट्रान्सफर से जुड़ी सूचना प्राप्त हो सकती है, जो आपके काम को आसान बनाएगी। अगर आप किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरूआत कर सकते है। इस राशि के व्यक्तियों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं धार्मिक स्थलों पर जाने का मन बना सकते है।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए मिला ङ्क जुला रहने वाला है। आज आपका काफ़ी समय से रुका हुआ काम पूरा होने से आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप बिज़नेस में परिवर्तन को लेकर विचार ङ्क विमर्श कर सकते हैं साथ ही ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी।

कुम्भ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको कार्यस्थल पर थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन किसी सहकर्मी से मदद भी मिल सकती है। साथ ही किसी विदेशी कम्पनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। जिसे ज्वाइन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका ध्यान नयी चीजों के प्रति आकर्षित होगा, आपके मन में कुछ बड़ा करने की प्रेरणा होगी। काफी लम्बे समय बाद आपको घर जाकर आज बच्चों से मिलने का मौका मिलेगा। आज मार्केट में रुका हुआ पैसा आपको मिल जायेगा, जिससे आपका काम आगे बढेगा।

अगस्त माह में एसईसीएल ने किया रिकॉर्ड 1401 रेक कोयला डिस्पैच

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल ने अगस्त 2025 माह में 1401 रेक कोयला डिस्पैच कर नया रिकॉर्ड बनाया है। यह आँकड़ा पिछले वर्ष अगस्त 2024 में हुए 1042 रेक डिस्पैच की तुलना में लगभग 34.45 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के मेगाप्रोजेक्ट्स में गेवरा से 268 रेक, दीपका से 202 रेक और कुसमुंडा से 271 रेक, देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को भेजे गए। वहीं रायगढ़ क्षेत्र ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 248 रेक कोयला डिस्पैच किया।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से अगस्त 2025 तक की अवधि में कंपनी ने कुल 7699 रेक कोयला डिस्पैच किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.21 प्रतिशत अधिक है। रेल मार्ग से कुल कोयला प्रेषण में भी वित्त वर्ष 25-26 में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

एसईसीएल में तेजी से लागू हो रहे एफएमसी (फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी) प्रोजेक्ट्स ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रेल मार्ग से कोयला डिस्पैच न केवल अधिक कुशल है, बल्कि आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है।

वर्तमान में एसईसीएल में 17 एफएमसी प्रोजेक्ट्स क्रियान्वित किए जा रहे हैं जिनकी संयुक्त क्षमता 233 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इनमें से 9 प्रोजेक्ट्स (151 एमटीपीए) पहले ही कमीशन हो चुके हैं, जबकि शेष 8 प्रोजेक्ट्स (82 एमटीपीए) विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं और अगले 2-3 वर्षों में पूर्ण होने की संभावना है।

सरकार उच्च शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता सुधार के लिए प्रतिबद्ध -मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर,5 सिंतबर (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने आज नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण तथा रोजगारोन्मुख बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों को सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर नई योजनाओं को समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित किया जाए। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्री श्री वर्मा ने युवाओं के हित में पाठ्यक्रम सुधार, प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण तथा ऑनलाइन कैरियर काउंसलिंग जैसी व्यवस्थाएँ लागू करने की बात कही। इसके साथ ही केन्द्र प्रायोजित योजनाओं पर कार्ययोजना बनाकर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवीन महाविद्यालयों की स्थापना, नवीन 33 पदों की स्वीकृति के साथ महाविद्यालयों में सेटअप के पदों की समीक्षा, सहायक प्राध्यापक से प्राचार्य पदों पर पदोन्नति, आधुनिक पाठ्यक्रमों का सेटअप जैसे विषयों पर प्राथमिकता से काम करने कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने वर्तमान में महाविद्यालय के 103 भवनों के निर्माण के बारे में जानकारी ली। मंत्री श्री वर्मा ने वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 22 नवीन महाविद्यालयों के भवन, सेटअप और विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारें में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उच्च शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए। अंत में उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्ययोजनाओं और प्रगति की नियमित समीक्षा कर योजनाओं को धरातल पर उतारनें के निर्देश दिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में भाजपा समर्थक मार्च में भाग लेते हुए।

पोस्ट की गई इस तस्वीर में, एक भारतीय सेना का जवान एक महिला और उसके 15 दिन के बच्चे को बाढ़ग्रस्त गांव से बाहर निकालते हुए दिखाई दे रहा है।

अपने जीवन में इससे अच्छा कभी महसूस नहीं किया सेहत को लेकर जारी अटकलों के बीच ट्रंप का पोस्ट

वॉशिंगटन,05 सिंतबर(एजेंसी)। ट्रंप समर्थक ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति की तुलना में सार्वजनिक कार्यों में अधिक समय बिताते हैं और अगर वे 24 घंटे के लिए गायब हो जाते हैं तो मीडिया भड़क उठता है। यह हास्यास्पद और दोहरा मापदंड है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरती सेहत को लेकर इन दिनों खूब चर्चा है। सोशल मीडिया पर तो ट्रंप की स्वास्थ्य को लेकर काफी कुछ लिखा जा रहा है। इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि अपने जीवन में कभी इससे बेहतर महसूस नहीं किया। ट्रंप को लेकर सोशल मीडिया पर चला ट्रेंड- ट्रंप इज डेडदरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की कुछ तस्वीरें सामने आई, जिनमें ट्रंप के हाथ पर कुछ निशान दिखाई दे रहे थे, जो चोट जैसे लग रहे थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ी कि सोशल मीडिया पर ट्रंप इज डेड ट्रेंड करने लगा। हालांकि अफवाहों के बाद व्हाइट हाउस को बयान जारी करना पड़ा और उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति नसों से संबंधित एक बीमारी से पीड़ित हैं और हाथों पर दिखाई दिए निशान भी उसी से संबंधित थे। ट्रंप ने अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर दी ये प्रतिक्रियाट्रंप की सेहत को लेकर चल रही अफवाहों के बीच ट्रंप समर्थक डीसी ड्रेनो ने एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जो बाइडन कई-कई दिन सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखते थे, लेकिन मीडिया कहता था कि वे तेज और अपने खेल में माहिर हैं। जबकि वे डायपर पहने और झपकी लेते रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति की तुलना में सार्वजनिक कार्यों में अधिक समय बिताते हैं और अगर वे 24 घंटे के लिए गायब हो जाते हैं तो मीडिया भड़क उठता है। यह हास्यास्पद और दोहरा मापदंड है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने लिखा कि मैंने कभी भी अपने जीवन में इससे बेहतर महसूस नहीं किया।जेडी वेंस के बयान के बाद बढ़ गई थी कयासबाजीयह भी दिलचस्प है कि दो दिन पहले एक साक्षात्कार में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बयान में यह कह कर सनसनी मचा दी थी कि किसी भयावह त्रासदी या आपात स्थिति में वे खुद राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं। हालांकि, वेंस ने इस बात को भी स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति ट्रंप की सेहत को लेकर अटकलें बेबुनियाद हैं और उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है।

भारतीय लोगों की कीमत पर ब्राह्मण कर रहे मुनाफाखोरी, रूस से तेल खरीद पर ट्रंप के सलाहकार का बेतुका बयान

वॉशिंगटन ,05 सिंतबर(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए निशाना साध रहे हैं। अब एक बार फिर उन्होंने एक बेतुका बयान देते हुए कहा कि भारतीय लोगों की कीमत पर ब्राह्मण फायदा कमा रहे हैं। पीटर नवारो ने कहा कि पीएम मोदी एक महान नेता हैं, लेकिन मेरा ये कहना है कि भारतीय लोग, इस बात को समझें कि यहां क्या चल रहा है। ब्राह्मण लोग भारतीय लोगों की कीमत पर फायदा कमा रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है। बता दें कि पीटर नवारो ने जिस ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल किया है, उसका मतलब धनी और कुलीन वर्ग से है। अमेरिका में धनी और उच्च वर्ग के लिए ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल किया जाता है।

पुतिन ने यूक्रेन पर शांति प्रयासों के लिए भारत को सराहा अमेरिका के मोदी के युद्ध वाले बयान को नकारा

तियानजिन ,05 सिंतबर (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को तियानजिन में आयोजित 25वें एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की। पुतिन ने व्हाइट हाउस के सलाहकार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक शीर्ष सहयोगी पीटर नवारो के इस दावे का खंडन किया कि यूक्रेन मोदी का युद्ध है। पुतिन ने इस संघर्ष की जड़ों के लिए नाटो और पश्चिमी हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया।चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के सदस्यों के सत्र को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के साथ जारी रूस के संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के लिए भारत और चीन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं यूक्रेन संकट को सुलझाने के लिए चीन और भारत के प्रयासों की सराहना करता हूं। पुतिन ने कहा, मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक के विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताऊंगा।% उन्होंने मॉस्को के इस रुख को दोहराया कि यूक्रेन में संकट किसी आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की ओर से समर्थित कीव में तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में हुई सहमति यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है। दरअसल, नवारो ने भारत पर सस्ते तेल खरीद के जरिए रूस के युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। नवारो ने कहा कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देता है तो उसे अमेरिकी टैरिफ में सीधे 25% की छूट मिल जाएगी। व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी ने यह भी कहा था कि यूक्रेन में शांति का रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। उन्होंने कहा था कि मेरा मतलब है, यह मूलत: मोदी का युद्ध है, क्योंकि शांति का रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है।

एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, सभी देशों ने कायराना हरकत की निंदा की

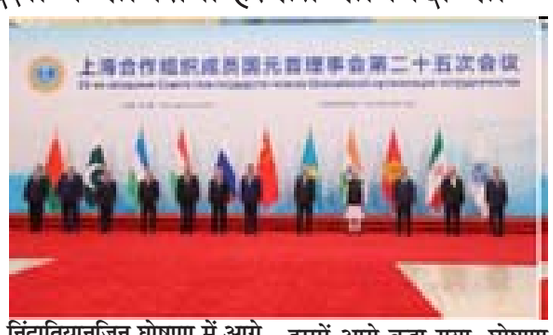

तियानजिन (चीन),05 सिंतबर (एजेंसी)। चीन की तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की गई। घोषणा में कहा गया है, सदस्य देशों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति प्रकट की। साथ ही, उन्होंने कहा कि ऐसे हमलों के दोषियों, योजनाकारों और मददगारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदातियानजिन घोषणा में आगे कहा गया, सदस्य देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि किसी भी तरह से आतंकवादी, अलगाववादी या उग्रवादी समूहों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सदस्य देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की और यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों में आतंकवाद से मिलकर लड़ें। दोहराया गया एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के संदेश इसमें आगे कहा गया, घोषणा एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के संदेश को दोहराती है। सदस्य देशों ने 3 से 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में आयोजित 5वें एससीओ स्टार्टअप मंच के परिणामों का स्वागत किया, जिससे विज्ञान, तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और गहरा हुआ है। सदस्य देशों ने 21-22 मई 2025 को नई दिल्ली में हुई 20वीं एससीओ थिंक टैंक मंच की बैठक को भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के तहत काम करने वाले एससीओ अध्ययन केंद्र की सराहना की, जिसने सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को मजबूत किया है।

हमले में घायल बच्चों को गाजा से लाया जाएगा ब्रिटेन, लैमी ने इस्त्राइल पर लगाया भुखमरी फैलाने का आरोप

लंदन । गाजा में जारी भीषण संघर्ष और भुखमरी के बीच ब्रिटेन ने गंभीर रूप से घायल बच्चों को इलाज के लिए यूके लाने की घोषणा की है। विदेश मंत्री डेविड लैमी ने इस्त्राइल पर मदद रोकने का आरोप लगाते हुए इसे मानव निर्मित अकाल बताया। इसके साथ ही ब्रिटेन ने 20 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त मेडिकल सहायता देने और युद्धविराम की मांग की है।आज से लगभग 22 महीने पहले इस्त्राइल पर हमास के हमले के साथ शुरू हुआ इस्त्राइल और हमास संघर्ष अब एक बड़ा और भयावह रूप ले चुका है।

मोसुल में ऐतिहासिक अल-नूरी मस्जिद का फिर हुआ उद्घाटन आठ साल पहले आईएस ने बम विस्फोट में उड़ा दिया था

बगदाद,05 सिंतबर(एजेंसी)। मोसुल में मस्जिद का पुनर्निर्माण युद्धग्रस्त इलाकों में सांस्कृतिक धरोहर को बचाने का मॉडल बन सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसी तरह की कोशिशें पड़ोसी सीरिया में भी हो सकती हैं, जहां लगभग 14 साल तक चले गृहयुद्ध और राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद अब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने लगे हैं।इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने सोमवार को मोसुल शहर के ऐतिहासिक अल-नूरी ग्रैंड मस्जिद और उसकी मशहूर झुकी हुई मीनार का औपचारिक उद्घाटन किया। यह वही मस्जिद है जिसे 8 साल पहले आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने उड़ा दिया था।

850 वर्षों तक मोसुल शहर की थी पहचान

करीब 850 वर्षों तक यह मीनार मोसुल शहर की पहचान बनी रही। वर्ष 2014 में इसी मस्जिद से आईएस नेता अबु बकर अल-बगदादी ने कथित %खिलाफत% की घोषणा की थी और जुमे की नमाज पढ़ाई थी। लेकिन 2017 में जब इराकी सेना ने आईएस पर कड़ा हमला किया, तो आतंकियों ने हार मानते हुए मस्जिद को विस्फोट से ध्वस्त कर दिया।

यूनेस्को की बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक संस्था यूनेस्को ने इराकी पुरातत्व विभाग और सुन्नी धार्मिक संस्थाओं के साथ मिलकर मस्जिद और मीनार का पुनर्निर्माण कराया। पारंपरिक तकनीक और मस्जिद के मलबे से निकाले गए पत्थरों का उपयोग किया गया। इस परियोजना पर 115 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च हुए, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात और यूरोपीय संघ का बड़ा योगदान रहा।

इराकी प्रधानमंत्री का बयान

उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री सुदानी ने कहा, %यह पुनर्निर्माण हमारी बहादुरी की याद दिलाता है। यह बताता है कि इराकी लोग अपने दुश्मनों के सामने झुके नहीं, बल्कि अपनी धरती और अपनी विरासत को फिर से जीवित किया।% उन्होंने आगे कहा कि सरकार संस्कृति और पुरातत्व को बढ़ावा देती रहेगी, ताकि इराक की पहचान दुनिया के सामने आए, युवाओं को नवाचार का अवसर मिले और सतत विकास की राह खुले।

ईसाई और अन्य समुदायों की विरासत

सिर्फ मस्जिद ही नहीं, बल्कि मोसुल में युद्ध में क्षतिग्रस्त कई चर्चों का भी पुनर्निर्माण किया गया है। यह काम शहर की बहु-सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोसुल सभी धर्मों और समुदायों का घर है और यह इराक की विविधता का प्रतीक है। हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि आईएस के हमले के बाद से मोसुल में ईसाई समुदाय लगभग खत्म हो चुका है। 2003 में यहां लगभग 50,000 ईसाई रहते थे। आज शहर में 20 से भी कम ईसाई परिवार स्थायी रूप से बचे हैं। अधिकतर ईसाई लोग उत्तरी इराक के कुर्दिश क्षेत्र में बस गए हैं, लेकिन कुछ अब भी त्योहारों और प्रार्थना के लिए मोसुल लौटते हैं।

यूक्रेन संकट सुलझाने में चीन-भारत ने की मदद, एससीओ सम्मेलन में पुतिन ने दिया धन्यवाद

तियानजिन,05 सिंतबर (एजेंसी)। पुतिन ने कहा कि मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक का विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताऊंगा। मैं मास्को के इस रुख को दोहराता हूं कि यूक्रेन में संकट किसी आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि कीव में पश्चिमी सहयोगियों द्वारा समर्थित तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में बनी सहमति यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है। एससीओ शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भारत और चीन को धन्यवाद दिया और कहा कि यूक्रेन संकट को सुलझाने में इन दोनों देशों ने काफी प्रयास किए। पीएम मोदी ने जोर-शोर से उठाया आतंकवाद का मुद्दा

पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल ही में, पहलगाम में हमने आतंकवाद का सबसे बुरा रूप देखा। मैं उन मित्र देशों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जो इस दु:ख की घड़ी में हमारे साथ खड़े रहे। हमें साफ तौर पर और सर्वसम्मति से कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह हमला मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश और व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुला समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है। हमें हर रूप और रंग के आतंकवाद का सर्वसम्मति से विरोध करना होगा। मानवता के प्रति यह हमारा कर्तव्य है। प्रधानमंत्री ने कहा सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं। लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद सिर्फ़ एक देश की सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई भी देश, कोई भी समाज, कोई भी नागरिक इससे खुद को सुरक्षित नहीं मान सकता। इसलिए, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकता पर ज़ोर दिया है। भारत ने संयुक्त सूचना अभियान का नेतृत्व करके अल-कायदा और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों से लड़ने की पहल की। हमने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई। का हमेशा से मानना रहा है कि मजबूत संपर्क न केवल व्यापार को बढ़ावा देता है, बल्कि विकास और विश्वास के द्वार भी खोलता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, हम चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसी पहलों पर काम कर रहे हैं। इससे हमें अफगानिस्तान और मध्य पूर्व के साथ संपर्क बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन संप्रभुता को दरकिनार करने वाला संपर्क विश्वास और अर्थ खो देता है।% प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ देशों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि कनेक्टिविटी को बेहतर करना आज के समय की जरूरत है, लेकिन साथ ही संप्रभुता का सम्मान भी जरूरी है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी ने इशारों-इशारों में चीन को साफ कह दिया है कि भारत संप्रभुता के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा। दरअसल चीन बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के जरिए एससीओ देशों में संपर्क मजबूत कर रहा है। भारत इसका हिस्सा नहीं है। चीन और पाकिस्तान के बीच कनेक्टिविटी के लिए जो बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है, उसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी हिस्सा आता है, जिस पर भारत को आपत्ति है। पीओके भारत का हिस्सा है और चीन द्वारा वहां सड़कों के निर्माण पर भारत ने आपत्ति जताई थी।

सम्पादकीय...

'मां' बनेगा चुनावी मुद्दा?

2007 में गुजरात विधानसभा चुनाव होने थे। 2002 के गोधरा कांड और सांप्रदायिक दंगों के लहूलुहान वाला दौर सतही तौर पर शांत हो चुका था। नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन पर दंगों और हत्याकांड के परोक्ष आरोप थे और विभिन्न आयोग जांच कर रहे थे। योगेंद्र यादव सरीखे प्रख्यात चुनाव पंडित ने भाजपा की पराजय के विश्लेषण किए थे। उस दौर में मोदी को 'मौत का सौदागर' बोल दिया गया। उनके लिए 'जहर की खेती' सरीखे शब्द भी कहे गए। उन पर 'खून की दलाली' जैसे शब्द भी चस्पां किए गए। मुख्यमंत्री मोदी ने उन अपशब्दों को 5-6 करोड़ गुजरातियों के अपमान से जोड़ दिया। शेष मुद्दे नेपथ्य में चले गए। गुजरातियों का मान-सम्मान चुनावी मुद्दा बन गया। भाजपा को शानदार जनादेश हासिल हुआ। उसी तरह बिहार में भी चुनावी हवा बदल न जाए, हमें आशंका होती है। बिहार में राजद-कांग्रेस-वामदल की 'वोटर अधिकार यात्रा' समाप्त हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी दिवंगत मां को दी गई गाली का मुद्दा उठा दिया। बेशक विपक्ष के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई थी। वाकई गाली, अपशब्द नहीं, भद्दी गाली दी गई थी, जिसे नैतिकता और मर्यादा के मद्देनजर हम लिख भी नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-मेरी 100 वर्षीय मां अब इस दुनिया में नहीं है। वह मुझे छोड़ कर जा चुकी है। मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। मां ने गरीबी के बीच ही हमें पाला-पोसा और मां भारती की सेवा के संस्कार दिए। उस मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बिहार ही नहीं, देश की करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का अपमान है। भले ही मैं व्यक्तिगत रूप से गाली देने वालों को माफ कर दूं, लेकिन छठ मैया को पूजने वाले बिहार के लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे।'' यकीनन प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, कुछ शब्दों का अंतर हो सकता है। किसी की भी मां को गाली देना पाप है, अक्षम्य अपराध है और उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का मानना सही है कि मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर है। वह जननी है। हमने ईश्वर को तो नहीं देखा, लेकिन ईश्वर के प्राणियों की जननी को देखा है, लिहाजा मां में ईश्वर का प्रतिरूप अनुभव किया जा सकता है। विडंबना यह है कि विपक्ष के प्रवक्ता और कुछ छुटभैया नेता गाली को भी न्यायोचित करार देने में जुटे हैं। यह राजनीतिक कुंठा और हताशा है। कुछ हद तक नफरत भी है। हालांकि लोकतंत्र में ऐसे भाव की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। कमोबेश ऐसी सोच पर निर्णायक जनादेश नहीं मिला करते। हम स्वीकार करते हैं कि प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी ने भी 2014 के चुनाव में 'जर्सी गाय', '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', 'कांग्रेस की विधवा' आदि अपशब्दों का प्रयोग किया था। हालांकि ये प्रतीकात्मक शब्द थे। प्रत्यक्ष रूप से 'गलीनुमा' गाली नहीं दी गई थी। मोदी इन अपशब्दों से भी बचे और बाद के चुनावों में इन्हें नहीं दोहराया। विशेषण, रूपक और भद्दी गाली में आकाश-पाताल का अंतर होता है। अब प्रधानमंत्री की मां को गाली देने की, मर्यादा के पतन की पराकाष्ठा छू लेने की भद्दी कोशिश की गई है। यही नहीं, देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री को भी 100 से अधिक गालियां दी जा चुकी हैं। हम कई बार वे विश्लेषण कर चुके हैं। सवाल है कि क्या इसे भी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी माना जाए? प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव अभियानों में इन गालियों को भी मुद्दा बनाया और लोगों ने निर्णायक जनादेश दिए। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी को 'वोट चोर' करार देकर भी नारे लगवाए गए हैं। हम मतदाता सूचियों में विसंगतियों से इंकार नहीं कर रहे। शायद इसीलिए संविधान में अनुच्छेद 324 और 326 के तहत चुनाव आयोग को शक्तियां दी गई हैं कि वह सूचियों का पुनरीक्षण कर सके। यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी सुना जा रहा है। अदालत ने चुनाव आयोग के एकदम खिलाफ कोई फैसला नहीं सुनाया। बेशक इस मुद्दे पर विपक्ष ने खूब शोर मचाया है, लेकिन जनादेश की कोई गारंटी नहीं है। यदि प्रधानमंत्री की मां को गाली देना चुनावी मुद्दा बन गया, तो चुनाव की हवाएं बदल भी सकती हैं। इस तरह के मुद्दे उछलने के कारण महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार जैसे कई जरूरी मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पाती है।

बेगाना जमाना...

सुरेश सेठ

समय इतना बदल गया है कि अब इसकी सही से पहचान भी नहीं हो पाती। पहले बड़ी उम्र का हो जाना वरिष्ठता होती थी। पूरा नगर, पूरा गांव बड़े बूढ़ों का सम्मान करता। अब बूढ़ा हो जाने का अर्थ है, बासी हो जाना। पुराने चावलों की आज कद्र नहीं होती, उनके माथे पर बासी कढ़ी में उबाल आना जैसे मुहावरे चिपका दिए जाते हैं। आपने दिन-रात मेहनत करके खुद चना चबेना खा अपनी दिन-रात की मेहनत से अपने बेटों, भतीजों को पढ़ाया, रोजगार करने के काबिल बनाया और आज वे आपको आंखें दिखाते हुए कहते हैं, 'यह आपका अपना चुनाव था, हम तो आपको कहने नहीं गए थे कि आप चना चबेना खा अपने हक की रोटी खर्च हमें काबिल बनाओ।' यह आपका अपना खुद किया गया चुनाव था। इसके बल पर हमसे किसी राहत रियायत की उम्मीद न करना। आपकी यह फरियाद हमें टसुवे बहाने जैसी लगती है। फिर किस हक की कमाई करने की बात आप कहते हैं। आजकल हक या बिना हक की कमाई होती कहां है? फिर यह नौजवानों का देश है। देश की आधी आबादी पैंतीस की उम्र से नीचे है, और उनमें से अधिकतर बेकार हैं। देश के आंकड़ा शास्त्री कहते हैं कि समय बीतने के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान की तरक्की के साथ इस देश के लोगों की औसत उम्र बढ़ती जा रही है, अर्थात हर साल पहले से अधिक बूढ़ों की संख्या लोगों को नासूर की तरह परेशान करती रहती है। गरीब देश में हर जरूरी चीज की कमी नहीं होती तो पैदा कर दी जाती है, ताकि बाद में धड़ल्ले से उसकी चोर बाजारी हो सके। हाथ पर उगती सरसों की तरह लोग रंक से राजा हो जाएं, फकीर से अमीर हो जाएं, झोपड़ी से प्रासाद हो जाएं। ऐसे में आप हक की कमाई की बात कहते हैं? जनाब किसी भी तरह कमाई होनी चाहिए, चाहे किसी नाजायज रास्ते से ही हो जाए।

आजकल तो चौराहे पर भीख भी दीनता और आहत होने का आडंबर किए बिना नहीं मिलती। खैरात मांगने-कमाने का यह फार्मूला नीचे से ऊपर तक चलता है। जरूरतमंद और दीनविहीन होने की नौटंकी जितनी कामयाबी से करो, उतना ही सफलता आपका माथा चूमेगी। वैसे आजकल खैरात भी सरकारी मुहर के साथ पेशेवाराना हो गई। इस देश की भूख, बेकारी, बीमारी का एक ही समाधान है, खैरात। रोटियों के फ्री कैम्प लगाओ, अपनी फोटो अखबार में छपवाओ। चेहरा यूं बहुचर्चित हो जाए, तो उसे किसी चुनाव की ओलम्पिक में दौड़ाओ। कामयाब हो गए तो समझो तुम्हारी सात पुश्तें तर गईं, क्योंकि जो एक बार इस दौड़ में कामयाब हो जाता है, वह कभी कुर्सी से उतरता नहीं। तब तक जब तक उसके बेटे, भाई, भतीजे इस कुर्सी पर बैठने के काबिल न हो जाएं। यूं वंश परंपरा चलती है। एक ओर सफेदपोश भ्रष्टाचार की और दूसरी ओर खैरात में रोटी से लेकर रुतबा तक कमा, देश के लिए मशाल बन जाने की। इसे मशाल कहिये या रोशनी के मीनार।

राष्ट्र निर्माण का अदृश्य शिल्पकार है अध्यापक

अनुज आचार्य

उत्कृष्ट शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की आत्मा होती है। यह केवल रोजगार पाने का साधन भर नहीं, बल्कि जीवन और समाज निर्माण का आधार है। विद्यालय की दीवारें बच्चों को किताबों का ज्ञान देती हैं, परंतु उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे उनके भीतर ऐसे संस्कार और मूल्य रोपित करती हैं जिनसे भविष्य की दिशा तय होती है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। संत कबीर ने कहा था, 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय/ बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय।' यह पंक्ति हमें स्मरण कराती है कि शिक्षा की वास्तविक आत्मा गुरु के आचरण और चरित्र में ही निहित है। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में आजादी के बाद से उल्लेखनीय प्रगति की है। जहां स्वतंत्रता के समय प्रदेश की साक्षरता दर मात्र आठ प्रतिशत थी, वहीं अब यह 88 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि राज्य ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और हर गांव में ज्ञान की ज्योति पहुंचाई। डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना, मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना, राजीव गांधी मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल और विदेशों में प्रशिक्षण जैसी सरकारी पहलें इस दिशा में नए आयाम जोड़ रही हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि भवनों और योजनाओं से शिक्षा व्यवस्था की आत्मा जीवित नहीं रहती। उसकी आत्मा तो शिक्षक के व्यक्तित्व और चरित्र से प्रकट होती है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान देने तक सीमित नहीं होता।

वह बच्चों के जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और संघर्ष का साहस भी संचारित करता है। वह उनके लिए पथप्रदर्शक और आदर्श बनता है। विनोबा भावे ने कहा था कि किसी भी देश का भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आज उसके बच्चों को दिशा देने वाले कैसे हैं। सच भी यही है कि शिक्षक ही वह शिल्पकार है, जो कच्ची मिट्टी को गढ़कर जिम्मेदार नागरिक बनाता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में कुछेक शिक्षकों की अनुचित हरकतों ने पूरे शिक्षक समुदाय की साख पर प्रश्नचिह्न लगाया है। जवाली, चौपाल और जोगिंद्रनगर में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं ने न केवल अभिभावकों को विचलित किया है, बल्कि हजारों आदर्श अध्यापकों की मेहनत को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के दौर में हर घटना तुरंत उजागर होती है और उसका प्रभाव व्यापक होता है। यह सच है कि गुलाब के साथ कांटे भी होते हैं, लेकिन शिक्षक का नैतिक पतन केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा है। अल्फ्रेड एडलर ने कहा था, 'बुद्धिमानों की प्रशंसा होती है, धनवानों से ईर्ष्या की जाती है, बलवानों से डरा जाता है, लेकिन विश्वास केवल चरित्रवान व्यक्तियों पर ही किया जाता है।' शिक्षक पर यह विश्वास तभी कायम रह सकता है जब वह स्वयं आदर्श आचरण प्रस्तुत करे। परिवार की बदलती संरचना ने भी शिक्षा को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के प्रसार ने बच्चों को बुजुर्गों से मिलने वाले संस्कारों से दूर कर दिया है। अब बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की चकाचौंध में अधिक समय बिताते हैं और दिशा-भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे समय में शिक्षक ही वह आधार है जो उन्हें सही राह दिखा सकता है। यदि वह स्वयं सुसंस्कृत और चरित्रवान है तो उसके शिष्य जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस पाएंगे और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। आज की शिक्षा प्रणाली भी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। भारी-भरकम पाठ्यक्रम ने पढ़ाई को बोझ बना दिया है। खेलकूद, संगीत और वाद-विवाद जैसी गतिविधियां औपचारिकता भर रह गई हैं। शिक्षकों पर पढ़ाई से इतर प्रशासनिक कार्यों का दबाव बढ़ा है। संस्कृत साहित्य में कहा गया है, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेत् वित्तमेति च याति च, अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।' इसका स्पष्ट अर्थ है कि धन तो आता-जाता रहता है, परंतु चरित्र नष्ट हो जाने पर सब कुछ समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि शिक्षक के चरित्र पर समाज की नींव टिकी होती है। यह समय का तकाजा है कि हम शिक्षा को केवल रोजगार की सीढ़ी न मानें। हमें इसे मानव निर्माण और समाज निर्माण का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण को और सशक्त बनाना होगा, नैतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा और समाज व सरकार दोनों को मिलकर शिक्षक समुदाय को वास्तविक सम्मान और संसाधन प्रदान करने होंगे। साथ ही अभिभावकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शिक्षक का सम्मान करना उतना ही आवश्यक है, जितना परिवार के बुजुर्गों का। शिक्षण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि पवित्र साधना है। यह साधना निभाने वाला वही व्यक्ति वंदन का अधिकारी है, जो अपने चरित्र और आचरण से प्रेरणा देता है। हिमाचल की पहाड़ियों में जब बच्चे कठिन रास्ते तय कर विद्यालय पहुंचते हैं, तो उनका पहला पथप्रदर्शक उनका शिक्षक ही होता है। यदि वह चरित्रवान है, तो उसके शिष्य समाज का गौरव बनेंगे। हर साल जब हम शिक्षक दिवस पर अपने गुरुओं को याद करते हैं, तो यह अवसर केवल औपचारिकता न बनकर आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। हमें यह संकल्प लेना होगा कि समाज में वही शिक्षक आदरणीय माना जाए, जो अपने आचरण से विद्यार्थियों के लिए आदर्श प्रस्तुत करे। निस्संदेह, शिक्षा व्यवस्था की आत्मा वही है जो अपने शिष्यों को केवल किताबें नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाए और इसी सत्य को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि चरित्रवान शिक्षक ही वंदन के अधिकारी हैं। शिक्षकों का सम्मान काफी हद तक उनके कर्त्तव्य पालन पर निर्भर करता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

पांच वर्षों में कुछ नहीं बदला

श्रुति व्यास

विडंबना है कि अफ़ग़ानिस्तान ने 15 अगस्त को जब स्वतंत्रता दिवस मनाया, तो गुलाब की पंखुड़ियाँ उन मर्दों पर बरसीं जिन्होंने आधे देश को पिंजरे में कैद कर रखा है। तालिबान का शासन अब दूसरे दौर के पाँचवें साल में दाख़िल है। इन पांच वर्षों में कुछ बदला नहीं। वह दुनिया का इकलौता देश है जहाँ सत्ता पूरी तरह मर्दों के हाथ में है और औरतों को न केवल घरों में, पर्दे में जकड़ दिया है बल्कि उन्हें ग़ैर-ज़रूरी बना दिया है।

इक्कीसवीं सदी में भला कौन सोच सकता था कि पृथ्वी पर एक ऐसा राष्ट्र भी होगा जो आधी आबादी को बंद कर दे, औरतों को अदृश्य बना दे और उनकी अहमियत केवल बच्चों को जन्म देने में सीमित हो। यों दुनिया ने तालिबान को कूटनीतिक अछूत बना रखा है तब तक जब तक वे औरतों के प्रति अपना रवैया नहीं बदलें और अपने सर्व-मर्दाना पश्तून कैबिनेट को समावेशी नहीं बनाए। पर कोई फर्क नहीं पड़ा।। अफगान लड़कियों के लिए सेकेंडरी स्कूल के दरवाज़े बंद हैं। औरतें एनजीओ में काम नहीं कर सकतीं, पार्कों में नहीं जा सकतीं। स्वतंत्रता दिवस पर जिन छह जगहों पर फूल बरसाए गए, उनमें से तीन पर औरतों की एंट्री मना थी।

काबुल में वह इस्लामी पुलिस सख़्ती से गश्त करती है जो नजर रखती है कि औरतें नक़ाब में हैं या नहीं? उनके साथ कोई पुरुष रिश्तेदार है या नहीं? शहर की कुछ बची हुई महिला एक्टिविस्टों में से एक ने साफ़ कहा: अफ़ग़ान औरतों की ज़िंदगी अब अनुमतियों की सीरिज में सिमट चुकी है। हर अनुमति मर्दों के हाथ में है। तालिबान को उनकी इसी हक़ीक़त के लिए सज़ा भी मिली है। वे प्रतिबंधित है, तिरस्कृत है और दुनिया में मान्यता से वंचित है।

बावजूद इसके दुनिया उनके साथ जीना सीख रही है। आक्रोश की जगह चुपचाप स्वीकार्यता ने ले ली है—मानो अफ़ग़ानिस्तान की तक़दीर अटल हो, और उसकी औरतें बलिदान योग्य। बड़े संकट और जगह हैं, ध्यान वहीं जा रहा है। नतीजा यह है कि वे ही देहाती मुल्ला जिन्हें कभी कलाश्निकोव लहराते जंगली कट्टरपंथी कहा गया, अब सिले-सिलाए पगड़ियों में चतुर कूटनीतिज्ञ बनकर लौटे हैं। उन्होंने दुनिया को अफ़ग़ानिस्तान बेचा है। उसके खनिज, उसके भूगोल, उसकी स्थिरता की संभावना के सौदे में आधी आबादी को ताले में रखे रखने का पक्का बंदोबस्त हो रहा है।

तालिबान को मान्यता मिलने लगी है। 15 अगस्त को पंखुड़ियों की बारिश से एक महीना पहले रूस पहला देश बना जिसने उसे आधिकारिक मान्यता दी। मास्को में इस्लामिक अमीरात ऑफ़ अफ़ग़ानिस्तान का झंडा फहराया गया। तालिबान ने 20 अगस्त को चीन और पाकिस्तान के साथ त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की। 2024 में संयुक्त अरब अमीरात ने तालिबानी राजदूत स्वीकार किया, फिर जनवरी में चीन ने। अब कम से कम 15 देशों के राजदूत काबुल में हैं, अधिकतर क्षेत्रीय। कारोबार भी बढ़ रहा है—चीन, तुर्की और ईरान की कंपनियाँ सौदे कर रही हैं।

और फिर है प्रवासन संकट—जो अब सौदेबाज़ी का औज़ार है। समय के साथ हज़ारों अफ़ग़ान पड़ोसी और विकसित देशों में अवैध रूप से चले गए थे। 2023 में पाकिस्तान ने न केवल बिना पंजीकरण वाले अफ़ग़ानों को, बल्कि दस्तावेज़ रखने वालों को भी निकालना शुरू किया। अमेरिका ने हज़ारों अफ़ग़ानों से अस्थायी दर्जा छीन लिया। जर्मनी निर्वासन में तालिबानी राजनयिकों के साथ समन्वय कर रहा है। ताजिकिस्तान ने अफ़ग़ानों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। और एक राजनयिक के शब्दों में: तालिबान पश्चिम को शरणार्थी संकट का हल मुफ़्त में नहीं देगा।

भारत भी तालिबान के साथ सावधानी से चल रहा है—संवाद है, पर समर्थन नहीं। नई दिल्ली ने काबुल में तकनीकी मिशन फिर से खोला, खाद्यान्न और दवाएँ भेजीं, अटारी और चाबहार से अफ़ग़ान व्यापार की अनुमति दी। मई 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तालिबान से पहली औपचारिक वार्ता की। मतलब व्यावहारिकता का संकेत। पर भारत अब भी औपचारिक मान्यता नहीं देता, वैश्विक सहमति के साथ खड़ा है और वह अपनी सुरक्षा की पहले चिंता करता हुआ है।

अमेरिका भी—जो कभी तालिबान का सबसे कट्टर विरोधी था—अब चुपचाप चैनल खुले रखे हुए है। क़तर में साप्ताहिक बैठकें होती रहती है। आतंकवाद और नशीले पदार्थों को लेकर। हालाँकि राजनीतिक दबाव में वे भी अटक गईं है। पश्चिमी सरकारें भाषा व लहजे में कठोर हैं, पर व्यवहार में संतुलन साधे रहती हैं।

तालिबान का असली विरोधाभास यही है: उनकी ताक़त। 2021 में लगा था कि अर्थव्यवस्था में गिरावट से उनकी पकड़ ढह जाएगी। लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार घटाया, पोस्ता की खेती पर रोक लगाई और पूरे देश पर नियंत्रण मज़बूत किया। कोई विश्वसनीय विपक्ष नहीं—न भीतर, न बाहर। तालिबानी अब इतने आश्वस्त हैं कि सुरक्षा बल भी घटाने लगे हैं ताकि पैसे बचें। यह वही आंदोलन है जिसने बीस साल तक दुनिया की सबसे ताक़तवर सेना से लड़ा और बचा रहा, और अब उतनी ही आसानी से कूटनीति में भी टिक गया है। यही वह सवाल है जिससे दुनिया आँख चुरा रही है। जब सत्ता इतनी सुरक्षित है, तो क्यों वह औरतों के अधिकार या मानवाधिकारों की परवाह करे? और नारीवादी नारे, वैश्विक घोषणाओं, एनजीओ या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर महिला नेता इतनी ताक़तवर तो नहीं हैं जो अफ़ग़ान मर्दों के सामने अपनी माँ-बहनों के लिए खड़ी हो सकें?

यों हालात बिगड़ भी सकते हैं। ट्रंप की मानवीय मदद में कटौती, ईरान का शरणार्थियों पर दबाव, सूखे की मार आदि से। लेकिन दुनिया नज़रें फेरे हुए है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा है कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था और अब काशी और मथुरा सहित ऐसे किसी अन्य अभियान का समर्थन नहीं करेगा।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अपनी तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन सवालों के जवाब में भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं।

हिन्दू समाज आग्रह करेगा तो संघ के स्वयंसेवक संस्कृति और समाज के हिसाब से इस प्रकार के किसी अभियान में शिरकत कर सकते हैं। यह व्याख्यान श्रृंखला आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।

देश में रोजगार परिदृश्य, संस्कृत की विषय के रूप में अनिवार्यता, भारत की अखंडता, हिन्दू-मुस्लिम एकता, जाति-वर्ण व्यवस्था, जातिगत आरक्षण, भाषा विवाद, भाजपा अध्यक्ष के चयन में विलंब, एक तय आयु में संन्यास जैसे तमाम मुद्दों पर भी संघ प्रमुख ने अपनी बात कही।

जहां तक काशी-मथुरा में धर्म स्थल का मसला है, तो यह मामला कोई नया नहीं है, लेकिन राम मंदिर आंदोलन के चलते इसे हिन्दुत्ववादियों ने थोड़े समय के लिए विराम दे रखा था। राममंदिर का निर्माण पूरा होते ही वे हरकत में आ गए। न केवल काशी-मथुरा, बल्कि सम्भल में शाही जामा मस्जिद के सव्रे के मुद्दे के साथ ही अन्य अनेक धर्मस्थलों को लेकर मामलों ने भी जोर पकड़ लिया। बीते साल 24 नवम्बर को शाही जामा मस्जिद के सव्रे के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।

हिंसा मामले की जांच के लिए बने आयोग ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे दंगों के बाद तुष्टीकरण की राजनीति के चलते बड़े पैमाने पर आबादी में बदलाव, धर्म परिवर्तन और समुदाय विशेष के परिवारों का पलायन हुआ।

बेशक, संघ प्रमुख पहले भी कह बार स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जगह मंदिर नहीं ढूंढा जाना चाहिए। लेकिन लगता नहीं कि धर्मस्थलों में मंदिर ढूंढे जाने की कवायद थम पाएगी। दरअसल, यह मसला बहुत पहले से धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक हो चुका है।

मंदिर-मस्जिद-चर्च जैसे धर्मस्थलों के मुद्दे गरमाने लगते हैं, तो अलग माहौल बना देते हैं, जिसके बल पर पक्ष-विपक्ष को अपनी राजनीति को धार देने में सहूलियत होती है। इसलिए ऐसे मुद्दे गरमाए रहने हैं।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना देगी युवा शक्ति के सपनों को नई उड़ान

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं।

भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़तोरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है।

यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है।

हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट है: हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा।

इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है।

इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल क़िले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज़्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे।

योजना के दो स्तंभ: पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन और नियोक्ताओं को सहायता

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग 'ए' के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग 'बी' के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करता है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करता है।

इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

समावेशी और सतत विकास को गति देना

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है।

श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने।

(यह लेखक के अपने विचार है)

अक्टूबर में पूरा होगा रामजन्मभूमि परिसर का वीवीआईपी द्वार, इस वजह से हो रही देरी

अयोध्या, 05 सितम्बर [एजेंसी]। रामजन्मभूमि परिसर के अतिविशिष्ट (वीवीआईपी) प्रवेश द्वार का निर्माण करा रहा उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम (यूपीआरएनएन) अपने ही वायदे पर खरा उतर पाने में अक्षम साबित हो रहा है। यद्यपि इसका प्रमुख कारण गत दिनों हुई बारिश बताई जा रही है। यह अलग बात है कि कार्यदायी संस्था ने श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की डेडलाइन से पहले अक्टूबर तक प्रवेश द्वार का निर्माण अवश्य पूरा करा देने की बात कही है। नवंबर में रामजन्मभूमि के विभिन्न मंदिरों पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम प्रस्तावित है। ट्रस्ट की ओर से रामजन्मभूमि परिसर के चारो प्रवेश द्वारों के निर्माण का दायित्व उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को सौंपा गया है। इसी वर्ष अप्रैल माह में यूपीआरएनएन ने क्रासिंग संख्या-11 पर अति विशिष्ट प्रवेश द्वार का निर्माण शुरू कराया है। इस वीवीआईपी प्रवेश द्वार को अन्य द्वारों की अपेक्षा भव्यतम बनाया जाना है। ट्रस्ट की ओर से दी गई डेडलाइन के अनुसार कार्यदायी एजेंसी को नौ माह में प्रवेश द्वार का निर्माण पूर्ण कराना है, परंतु एजेंसी ने स्वयं लक्ष्य तय करते हुए इसे सितंबर तक ही निर्मित करा देने की बात कही थी। निर्माण प्रारंभ होने के बाद बड़ी तेजी से कार्य भी चल रहा था, लेकिन गत दिनों हुई भारी बारिश से कार्य में व्यवधान उत्पन्न हो गया और इसमें लगने वाला लोहे का गेट भी अभी बन कर नहीं पहुंचा है। वर्तमान में इसका

स्ट्रक्चर लगभग तैयार हो चुका है। इस पर बीम भी ढाली जा चुकी है।अब इस पर चार-चार फीट के चार उपशिखरों का निर्माण होना है। इसके बाद फिनिशिंग होगी और चारों ब्लाक में लोहे के चार गेट लगेंगे, जिनमें से दो से प्रवेश व दो से निकासी होगी। यूपीआरएनएन के एक अधिकारी ने बताया कि क्रासिंग-11 पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।इस प्रवेश द्वार की चौड़ाई 34 मीटर, लंबाई 17 मीटर और ऊंचाई छह मीटर है। 38 स्तंभों पर इसका स्ट्रक्चर तैयार किया गया है। उनका कहना था कि अब सितंबर तक तो नहीं लेकिन अक्टूबर में हर हाल में निर्माण पूरा हो जाएगा। इसके बाद क्रासिंग-तीन पर वीआईपी प्रवेश द्वार का निर्माण प्रारंभ होगा। रामजन्मभूमि परिसर के उत्तरी प्रवेश द्वार का निर्माण पूरा हो गया है। सूत्रों ने बताया कि कार्यदायी एजेंसी यूपीआरएनएन ने इसे ट्रस्ट को हैंडओवर भी कर दिया है। अब ट्रस्ट को निर्णय लेना है कि इस प्रवेश द्वार का प्रयोग कब से शुरू किया जाए और इस रास्ते से प्रवेश होगा या निकासी कराई जाएगी। सुरक्षा कारणों से यह प्रवेश द्वार लंबे समय से बंद रखा गया है।स्ट की ओर से रामजन्मभूमि परिसर के चारो प्रवेश द्वारों के निर्माण का दायित्व उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को सौंपा गया है। इसी वर्ष अप्रैल माह में यूपीआरएनएन ने क्रासिंग संख्या-11 पर अति विशिष्ट प्रवेश द्वार का निर्माण शुरू कराया है। इस वीवीआईपी प्रवेश द्वार को अन्य द्वारों की अपेक्षा भव्यतम बनाया जाना है। ट्रस्ट की ओर से दी गई डेडलाइन के अनुसार कार्यदायी एजेंसी को नौ माह में प्रवेश द्वार का निर्माण पूर्ण कराना है, परंतु एजेंसी ने स्वयं लक्ष्य तय करते हुए इसे सितंबर तक ही निर्मित करा देने की बात कही थी। निर्माण प्रारंभ होने के बाद बड़ी तेजी से कार्य भी चल रहा था, लेकिन गत दिनों हुई भारी बारिश से कार्य में व्यवधान उत्पन्न हो गया और इसमें लगने वाला लोहे का गेट भी अभी बन कर नहीं पहुंचा है।

पाकिस्तान में ड्रोन की मदद से निकाले जा रहे बाढ़ में फंसे लोग

मुल्तान, 05 सितम्बर [एजेंसी]। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आपातकालीन कर्मचारियों ने भीषण बाढ़ में छतों पर फंसे लोगों को ढूंढने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। सरकार ने अपने बचाव अभियान में अब तक नौ लाख से अधिक लोगों को निकाला है। पाकिस्तान मौसम विभाग ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिलों और देश के अन्य स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है, जहां कई सप्ताह से सामान्य से अधिक बारिश हो रही है। पिछले सप्ताह भारत के बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण नदियां उफान पर आकर निचले इलाकों में पहुंच गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि देश का सबसे अधिक आबादी वाला प्रांत पंजाब अब तक की सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। मुल्तान और झांग जिलों में सोमवार को निवासियों ने बाढ़ के पानी में अपना सामान लेकर सड़कों के किनारे और ऊंची जगहों पर पहुंचे।उन्होंने बचावकर्मियों का इंतजार किया और फिर लगभग पांच फुट गहरे पानी को खुद पार करके सुरक्षित स्थान पर पहुंचे, जबकि कई अन्य लोग अभी भी फंसे हुए हैं।

ट्रंप के करीबी नवारो पर हरदीप सिंह पुरी का पलटवार

नईदिल्ली, 05 सितम्बर [एजेंसी]। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की लान्ड्रोमैट (मुनाफाखोर) वाली टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदने में किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और यूक्रेन युद्ध के

समय से उसके ऊर्जा व्यापार ने वैश्विक बाजारों को स्थिर करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने में मदद की है। उन्होंने ट्रंप के डेड इकानमी वाले बयान पर भी पलटवार किया। पुरी ने ट्रंप की भारत विरोधी डेड इकानमी वाली बयानबाजी का खंडन करते हुए देश की आर्थिक वृद्धि पर प्रकाश डाला जिसे दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज माना गया है।एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित अपने लेख में उन्होंने कहा, किसी भी महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी संदेह किया गया तो भारत ने हरित क्रांति, आईटी क्रांति और शिक्षा एवं उद्यम के माध्यम से लाखों लोगों को आगे बढ़ाने के लिए सम्मान के साथ जवाब दिया। 1991 के संकट से उदारीकरण आया और कोविड-19 महामारी से डिजिटल प्रगति आई। पुरी ने मुनाफाखोरी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारत लंबे समय से फरवरी, 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से भी पहले से पेट्रोलियम उत्पादों का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और इसके निर्यात की मात्रा और मार्जिन मोटे तौर पर समान रहे हैं।

पाकिस्तान से ऐसे झारखंड पहुंचता था हथियार, मलेशिया से पाक वर्कर पहुंचाते थे पैसा, मयंक ने किए बड़े खुलासे

रांची, 05 सितम्बर [एजेंसी]। कुख्यात अमन साव गिरोह के हार्डकोर अपराधी सुनील सिंह मीणा उर्फ मयंक सिंह को झारखंड पुलिस की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने छह दिनों तक पूछताछ के बाद सोमवार को न्यायिक हिरासत में रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में भेज दिया है। छह दिनों की पूछताछ के दौरान मयंक सिंह ने कई सनसनीखेज खुलासा किया है। उसने झारखंड में हथियार आपूर्ति का पाकिस्तान लिंक बताया है। उसने बताया है कि सभी छोटे-बड़े हथियारों की आपूर्ति पाकिस्तान से होती थी। मेड इन पाकिस्तान हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से हथियार पंजाब में भेजा जाता था। पंजाब से मयंक सिंह सड़क या रेल मार्ग से उक्त हथियार झारखंड में भेजता था। वह एक बार दस हथियार भेजा था। ऐसे छिटपुट में कई बार उसने झारखंड में अमन साव गिरोह को हथियार की आपूर्ति की थी। इस स्वीकारोक्ति के बाद अब मयंक सिंह के विरुद्ध देशद्रोह की धाराएं भी लगेंगी और उसके विरुद्ध आतंकवाद का केस भी चलेगा। सुनील सिंह मीणा उर्फ मयंक सिंह कुख्यात अंतरराष्ट्रीय अपराधी लारेंस विश्नोई का सहयोगी तो था ही, उसके माध्यम से कुख्यात अपराधी अमन साव से भी उसके संबंध हो गए थे। लारेंस विश्नोई ने ही मयंक सिंह का परिचय अमन साव से करवाया था।इसके बाद अमन साव की मांग पर मयंक सिंह ने लारेंस विश्नोई के माध्यम से कई बार अमन साव को हथियारों की आपूर्ति की। झारखंड में हथियारों की आपूर्ति के बदले अमन साव ने हवाला के जरिये करोड़ों रुपये पाकिस्तान भिजवाया था। हवाला के जरिये रुपये पहले यूरोप भेजे जाते थे। यूरोप से उक्त राशि थाइलैंड व मलेशिया भेजा जाता था। मलेशिया के कुआलालंपुर में पाक पंजाब रेस्टोरेंट। इसी रेस्टोरेंट में कार्यरत पाकिस्तानी वर्कर से पैसा पहुंचता था पाकिस्तान। सुनील सिंह मीणा कभी मलेशिया तो कभी अजरबैजान में रहता था। मलेशिया के कुआललंपुर में पाकिस्तान के दो रेस्टोरेंट हैं।

उनमें से एक रेस्टोरेंट का नाम पाक पंजाब रेस्टोरेंट है, जिसमें पाकिस्तानी वर्कर कार्यरत हैं।हवाला के रुपये उन पाकिस्तानी वर्कर के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचाया जाता था। पाकिस्तानी हथियार आपूर्तिकर्ताओं तक उक्त राशि पहुंचती थी, जिसके बदले में पाकिस्तान से हथियार की आपूर्ति होती थी।रांची के

बरियातू थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल के समीप अपराधियों ने कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर सात मार्च को अपराधियों ने गोली चलाई थी। इस घटना में विपिन मिश्रा जख्मी हो गए थे। उनपर जिस हथियार से गोली चली थी, वह हथियार भी मेड इन पाकिस्तान था।

घटना के दिन विपिन मिश्रा बरियातू स्थित अपने आवास ग्रीन पार्क से चेशायर होम रोड स्थित कार्यालय जाने के लिए निकले थे कि तीन अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उनपर गोली चलाई थी और मौके से फरार हो गए थे।इस घटना में रांची पुलिस ने 16 जून को छह आरोपितों पर चार्जशीट दाखिल की है। आरोपितों में विशाल मुंडा, करण कुमार उरांव, अविनाश कुमार ठाकुर उर्फ सिल्लू, शोभित सिंह उर्फ मकसूदन, प्रेम पांडेय उर्फ प्रेम प्रकाश पांडेय शामिल हैं। सभी आरोपित अमन साव गिरोह से संबद्ध बताये गए हैं।अपराधी सुनील सिंह मीणा उर्फ मयंक सिंह प्रत्यर्पण के तहत 23 अगस्त को अजरबैजान से रांची लाया गया था। उसी दिन उसे रामगढ़ के पतरातू (भदानीनगर) थाने में 2022 में एक केस में एटीएस ने रामगढ़ स्थित न्यायालय में पेश किया था।कोर्ट से छह दिनों तक पूछताछ की अनुमति के बाद एटीएस ने उससे रिमांड पर पूछताछ की है। उसके विरुद्ध लेवी-रंगदारी मांगने से संबंधित सिर्फ झारखंड में 48 मामले दर्ज हैं।ये सभी मामले हजारीबाग जिले के बड़कागांव, केरेडारी, कोर्रा, हजारीबाग सदर, रांची, रामगढ़, पलामू व गिरिडीह में दर्ज हैं। उसके विरुद्ध दूसरे राज्यों में भी प्राथमिकियां दर्ज हैं। उनमें से एक रेस्टोरेंट का नाम पाक पंजाब रेस्टोरेंट है, जिसमें पाकिस्तानी वर्कर कार्यरत हैं।हवाला के रुपये उन पाकिस्तानी वर्कर के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचाया जाता था। पाकिस्तानी हथियार आपूर्तिकर्ताओं तक उक्त राशि पहुंचती थी, जिसके बदले में पाकिस्तान से हथियार की आपूर्ति होती थी।रांची के विपिन मिश्रा पर सात मार्च को अपराधियों ने गोली चलाई थी।

बाढ़ प्रभावित जम्मू-कश्मीर में हालात का जायजा लेने के बाद दिल्ली लौटे अमित शाह

जम्मू, 05 सितम्बर [एजेंसी]। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बाढ़ से प्रभावित जम्मू-कश्मीर में हालात का जायजा लेने के बाद दिल्ली लौट गए। उनके यहां दौरा सिर्फ जम्मू प्रांत की बाढ़ प्रभावित जनता और प्रदेश प्रशासन को भी बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मुरम्मत और पुनर्बहाली के लिए केंद्र से आवश्यक वित्तीय पैकेज दिलाने तक सीमित नहीं है। उनका यह दौरा प्रदेश के मौजूदा आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर भी महत्व रखता है। केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने दौरे के दौरान सिर्फ पीड़ितो के आंसू पोंछने का काम नहीं किया है, उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए पहलगाम जैसी किसी दूसरी की घटना की पुनार्वृत्ति रोकने के लिए हर संभव उपाय करने को कहा है। बीते तीन माह के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री का यह दूसरादौरा है। इससे पूर्व वह पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर घाटी के दौरे पर आए थे। उनका यह दौरा बाढ़ से उपजेज हालात के मद्देनजर है। वह रविवार की रात 09.35 बजे जम्मू पहुंचे थे और सोमवार की शाम 05.34 बजे दिल्ली रवाना हुए हैं। उनका यह दौरा पहले दौरे की अपेक्षा ज्यादा व्यस्त रहा है।उन्होंने आज तीन बैठकें की, दो विशुद्ध प्रशासनिक मुद्दों पर केंद्रित थी और तीसरी बैठक भाजपा के नेताओं के साथ थी। बैठकों से पहले उन्होंने जम्मू शहर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। वह चौथे तवी पुल का जायजा लेने भी गए, उन्होंने क्षतिग्रस्त शिवमंदिर को भी देखा।आरएसपुरा सेक्टर में मंगू चक्क में भी बाढ़ पीढ़ितों से मिले और उन्होंने वहां एक नहीं कई पीडितों से सीधी बात की और उन्हें मदद का यकीन दिलाया। इसके बाद उन्होंने राजभवन में

बैठकों में हालात का जायजा लिया।उनके इस दौरे ने जम्मू कश्मीर में केंद्र सरकार के विरोधियों को भी चुप कराया है, जो कह रहे थे कि केंद्र सरकार को, भाजपा को चाहिए कि वह जम्मू के लिए कोई बड़ा राहत पैकेज घोषित करना चाहिए। यह मांग करने वालों में सत्ताधारी दल के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी हैं। हालांकि केंद्रीय गृहमंत्री ने कोई पैकेज घोषित नहीं किया है,लेकिन जिस तरह से उन्होंने बाढ़ से उपजे हालात की बैठक में समीक्षा करते हुए निर्देश जारि किए हैं,उससे स्पष्ट हो जाता है कि पैकेज मिलेगा और एक व्यावहारिक पैकेज मिलेगा। जिसका ऐलान आने वाले दिनों में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। पैकेज को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी आवश्वस्त हैं और उनहोंने बैठक के बाद इसकी उम्मीद नहीं यकीन दिलाया है।बाढ़ से हुई तबाही सिर्फ नागरिक बुनियादी ढांचे नहीं हुई है, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी भारत के सिक्योरिटी ग्रिड को भी नुक्सान हुआ है। इस नुक्सान का पाकिस्तान पूरा लाभ उठाने की फिराक में है और केंद्रीय गृहमंत्री का आगमन और सुरक्षा परिदृश्य पर बैठक बताती है, जम्मू कश्मीर के सीमांत इलाकों की सुरक्षा हो या आंतरिक सुरक्षा, केंद्र सरकार की आज भी पहली प्राथमिकता है।केंद्रीय गृहमंत्री ने बैठक में मौजूद सुरक्षा एजेंसियों को क्षतिग्रस्त सुरक्षा ढांचे की युद्धस्तर पर मरम्मत कर उसे पूरी तरह बअहाल करने और सीमांत इलाकों में किसी भी स्तर पर घुसपैठ की किसी भी आशंका को समाप्त करने के लिए हर संभव उपाय करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आतंक के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के अनुपालन पर जोर दिया है।जम्मू कश्मीर मामलों के जानकार सैयद अमजद शाह ने कहा कि अमित शाह के दौरे को अगर आप ध्यान से देखें तो यह प्रशासनिक- प्रतिरक्षा तक ही नहीं राजनीतिक भी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पटना में अपनी मतदाता अधिकार यात्रा के समापन पर एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए।

ये कैसी व्यवस्था उत्तराखंड के इस जिले में मौत के लिए देखना पड़ता है टाइम-टेबल! तब हो सकेगा पोस्टमार्टम

अल्मोड़ा, 05 सितम्बर [एजेंसी]। अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव को लेकर सुर्खियों में रहने वाले अल्मोड़ा जिले में शव का पोस्टमार्टम कहां होगा यह मौत का दिन निर्धारित करता है। मेडिकल कालेज और स्वास्थ्य महकमे ने अपनी-अपनी सुविधा अनुसार सप्ताह में पोस्टमार्टम के दिन निर्धारित किए हैं।सप्ताह के शुरुआती दिनों में जहां पोस्टमार्टम मेडिकल कालेज के अधीन बेस में होता है, वहीं बाद के दिनों में पोस्टमार्टम स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर एनटीडी स्थित मोर्चरी में करते हैं। ऐसे में शव को लेकर स्वजन को चक्कर काटना मजबूरी बन गया है।जिले में स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग जैसे दो महत्वपूर्ण विभाग हैं। लेकिन यहां सुविधाओं का इतना अभाव है कि बेहतर इलाज तो दूर शव के पोस्टमार्टम तक करने के लिए दिन बांट दिए गए हैं। ऐसे में मौत चाहे किसी भी अस्पताल में हो, उसका पोस्टमार्टम चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा विभाग के नियम के अधीन उस मोर्चरी में होगा, जहां का दिन निर्धारित हैं।सप्ताह के शुरुआती तीन दिन ही मेडिकल कालेज के अधीन बेस में पोस्टमार्टम की सुविधा मिलेगी, बाकी तीन दिन एनटीडी स्थित मोर्चरी की दौड़ लगानी पड़ती है। फिर चाहे मौत किसी भी अस्पताल में हुई हो।इन नियमों के फेर में यदि किसी व्यक्ति की मौत सप्ताह के शुरुआती तीन दिन बाद बेस में भी होगी, तो तीमारदारों को उसके पोस्टमार्टम के लिए आठ किमी से अधिक दूरी तय कर एनटीडी मोर्चरी पहुंचना होगा।ऐसा ही हाल जिला अस्पताल में यदि किसी की मौत शुरुआती तीन दिन में होगी तो तीमारदारों को छह किमी दूर बेस जाना होगा। या फिर पांच किमी दूर एनटीडी की दौड़ लगानी होगी। इन नियमों के फेर में जहां स्वजन पर आर्थिक भार पड़ता है। वहीं परेशानी भी झेलनी पड़ती है।शुरुआत के तीन दिन सोमवार, मंगलवार और बुधवार को बेस व गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को एनटीडी मोर्चरी में पोस्टमार्टम होता है।जब से मेडिकल कालेज के अधीन बेस अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम शुरू तब से शुरुआत की तीन दिन बेस के चिकित्सक शव का पोस्टमार्टम करते आ रहे हैं। शुरुआत के तीन दिन यहां पोस्टमार्टम किए जाते हैं।प्रो. सीपी भैसोड़ा, प्राचार्य मेडिकल कालेज।चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा विभाग के नियमों में अंतर हैं।

अल्पसंख्यक स्कूलों को आरटीई कानून से मिलेगी छूट, अब सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच करेगी विचार

नई दिल्ली, 05 सितम्बर [एजेंसी]। सुप्रीम कोर्ट ने अल्पसंख्यक स्कूलों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के दायरे से बाहर रखने संबंधी 2014 के फैसले के औचित्य पर संदेह जताते हुए सोमवार को मामले को निर्णय के लिए एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्ययन सहित रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री का हवाला देते हुए निराशा व्यक्त की कि कानून के दायरे से इन स्कूलों को अलग रखने के फैसले ने दुरुपयोग के लिए मैदान तैयार कर दिया।पीठ ने कहा, हम अत्यंत विनम्रता के साथ यह कहना चाहते हैं कि प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट मामले में लिया गया निर्णय अनजाने में प्राथमिक शिक्षा की नींव को खतरे में डाल रहा है। अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई कानून से छूट देने से समान स्कूली शिक्षा की अवधारणा प्रभावित होती है और अनुच्छेद 21ए में निहित समावेशिता और सार्वभौमिकता का विचार कमजोर होता है।अनुच्छेद 21ए के अनुसार, सरकार छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि आरटीई कानून बच्चों को बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित शिक्षक, किताबें, वर्दी और मध्याह्न भोजन जैसी सुविधाएं

सुनिश्चित करता है। हालांकि, शिक्षा का अधिकार कानून के दायरे से बाहर रखे गए अल्पसंख्यक स्कूल इन सुविधाओं को प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं हैं। पीठ ने कहा- कुछ अल्पसंख्यक स्कूल आरटीई कानून के तहत अनिवार्य सुविधाएं प्रदान करते हैं, लेकिन कई अन्य ऐसा नहीं कर पाते, जिससे छात्रों को ये सुविधाएं नहीं मिल पातीं। पीठ ने यह भी कहा कि आरटीई कानून शैक्षणिक प्राधिकारों के माध्यम से समान पाठ्यक्रम मानकों को सुनिश्चित करता है, जो प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देता है। हालांकि, अल्पसंख्यक संस्थान ऐसे दिशा-निर्देशों के बिना काम करते हैं, जिससे बच्चों और उनके अभिभावकों को यह अनिश्चितता रहती है कि उन्हें क्या और कैसे पढ़ाया जाएगा।शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि यह स्थिति बच्चों को एकजुट करने के बजाय विभाजित और कमजोर करती है। पीठ ने कहा- यदि लक्ष्य एक समान और एकजुट समाज का निर्माण करना है तो ऐसी छूट हमें विपरीत दिशा में ले जाती है।

राह चलती लड़कियों से करता था छेड़छाड़, जशपुर पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

पत्थलगांव क्षेत्र की घटना, एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

जशपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र में राह चलती लड़कियों से अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करने वाले एक सिरफिरे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान हेमंत उर्फ हर्षित यादव (22 वर्ष), निवासी महुआ टोली, पत्थलगांव के रूप में हुई है। वहीं उसका एक साथी फरार है, जिसे पुलिस ने चिन्हित कर लिया है और तलाश जारी है।

कॉफी हाउस जा रहीं युवतियों को बनाया था निशाना

घटना 31 अगस्त की शाम करीब 6 बजे की है, जब एक युवती अपनी बहन और सहेलियों के साथ पत्थलगांव स्थित कॉफी हाउस जा रही थी। इसी दौरान अंबिकापुर रोड पर शर्मा मेडिकल स्टोर के पास आरोपी हेमंत यादव अपने एक साथी के साथ बाइक पर पीछा करते हुए आया और लड़कियों पर अश्लील टिप्पणियां करने लगा। आरोपी ने युवती की बहन के कंधे पर हाथ मारा और कुछ दूरी पर बाइक रोककर फिर से लड़कियों का रास्ता रोक लिया इसके बाद आरोपी ने पीड़िता का हाथ पकड़ने की कोशिश की और मोबाइल नंबर मांगने लगा। युवती के चिल्लाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया गया कि हेमंत यादव पहले भी कई बार इन लड़कियों का पीछा कर अश्लील इशारे करता रहा है।

छेड़छाड़ के आरोप में दर्ज हुआ मामला

पीड़िता की शिकायत पर थाना पत्थलगांव में भारतीय न्याय संहिता (ब्न्हस्) की धारा 74, 78 और 79 के तहत मामला दर्ज किया गया। महिला सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने पत्थलगांव पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस की तत्परता से आरोपी पकड़ा गया

पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर हेमंत उर्फ हर्षित यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। दूसरा आरोपी फिलहाल फरार है, लेकिन उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस का सख्त संदेशएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस महिलाओं से संबंधित अपराधों को लेकर पूरी तरह सतर्क और गंभीर है। उन्होंने कहा कि छेड़छाड़ जैसे कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और ऐसे तत्वों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनीत कुमार पांडे, उप निरीक्षक अर्जुन यादव और आरक्षक राजेंद्र रात्रे की अहम भूमिका रही।

शांतिभंग करने वाले पांच लोगों के खिलाफ कार्यवाही

राजनांदगांव, 05 सितम्बर (एजेंसी)। जिले की डोंगरगढ़ पुलिस ने ग्राम मुरमुंदा दही-हाण्डी लूट कार्यक्रम दौरान शांति भंग करने 05 लोगों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। इसके अलावा शराब के नशे में वाहन चलाकर परेशान करने वाले 02 चालकों के विरूद्ध धारा- 185 एमव्हीएक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है।

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देश पर अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना क्षेत्र में अपने टीम के साथ लगातार गस्त पेट्रोलिंग कर अवैध गतिविधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रख रही है और लगातार इस अभियान के तहत बदमाशों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर रही है।

दिनांक-31.08.2025 को संध्या समय में ग्राम मुरमुंदा दही-हाण्डी लूट के कार्यक्रम में शांति व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था हेतु डोंगरगढ़ पुलिस एवं जिला के अन्य थाना एवं कार्यालय के पुलिस अधि0/कर्मचारियों का ड्यूटी वरिष्ठ कार्यालय से लगाई गई थी। ग्राम मुरमुंदा में ग्रामवासियों एवं बाहर से आये अन्य लोगों द्वारा शांति पुर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ जुलूस एवं दही लूट का कार्यक्रम मना रहे थे। कि शांति व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था ड्यूटी दौरान नशे के हालत में मोटर सायकल चलाकर लोगों को परेशान कर शांति भंग करने पर 01. नेम कुमार कदम उर्फ गुलशन पिता उमेश कदम उम्र- 24 साल निवासी मुड़पार थाना डोंगरगढ़ एवं 02. भीम राव कंवर पिता कुंजन कंवर उम्र- 23 साल निवासी बम्हनीभांठा थाना डोंगरगांव के विरूद्ध धारा- 185 एमव्हीएक्ट एवं धारा- 170, 125, 135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही किया गया एवं आम जनता को परेशान कर वाद-विवाद कर मारने-पीटने पर उतारू होकर शांति भंग करने वाले 01. संजय कंवर पिता दिलबहार कंवर उम्र- 24 साल निवासी ग्राम राका थाना डोंगरगढ़, 02. महेन्द्र बंजारे पिता बीपत बंजारे उम्र- 32 साल निवासी ग्राम मुरमुंदा थाना डोंगरगढ़ एवं 03. दिलीप मण्डावी पिता शत्रुहन मण्डावी उम्र- 24 साल निवासी ग्राम बोरसी थाना बेरला जिला बेमेतरा हाल ग्राम मुरमुंदा थाना डोंगरगढ़ के विरूद्ध धारा- 170/126,135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर श्रीमान एसडीएम महोदय के समक्ष उचित कार्यवाही हेतु पेश किया गया है। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देश पर अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना क्षेत्र में अपने टीम के साथ लगातार गस्त पेट्रोलिंग कर अवैध गतिविधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रख रही है और लगातार इस अभियान के तहत बदमाशों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर रही है।

अवैध शराब बेचने वाले महिला समेत तीन पकड़ाये

गरियाबंद , 05 सितम्बर (एजेंसी)। गरियाबंद पुलिस द्वारा अवैध शराब के तीन अलग-अलग मामलों में 71 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद पुलिस का नशे के विरूद्ध एक विशेष अभियान नया सवेरा के अंतर्गत अवैध शराब बेचने, पिलाने व अन्य नशीली पदार्थों पर कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया था। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत मुखबिर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया है। थाना प्रभारी गरियाबंद को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम आमझर में तीन अलग-अलग जगह पर अवैध शराब का बिक्री हो रहा है। जिसकी सूचना दस्तीक पर हमरा स्टाफ एवं गवाहो के घटना स्थल ग्राम आमझर में तीन टीम बना कर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान अलग-अलग घटना स्थल से आरोपी कृष्ण कुमार सोरी के कब्जे से सफेद रंग की जर्किन पर 20 लीटर कच्ची महुआ शराब मिला। इसी प्रकार ग्राम आमझर में ही अरोपी महिला फुलबासन ग्राम आमझर के कब्जे से एक प्लास्टिक बोरी के अन्दर दो जरीकेन में 20 लीटर कच्ची महुआ शराब मिला। इसी प्रकार मुखबिर से पून: सूचना मिला की ग्राम आमझर निवासी गोविंदा सोरी अपने ग्राम आमझर के नाला के ऊपर अवैध बिक्री करने हेतु कच्ची महुआ शराब एंव देशी शराब रखा है।

जिसकी सूचना तस्दीकी वास्ते हमराह स्टाफव मौके पर मिले गवाहन को जानकारी देकर हमराह लेकर मौका पर जाकर घेराबंदी किया गया। आरोपी गोविंदा सोरी आमझर नाला ऊपर के कब्जे से 30 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं तीन पौवा प्लेन शराब एंव चार पौवा गोवा शराब कुल 31 लीटर अवैध शराब मिला। उक्त तीनों मामले में धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

तीनों मामलो में आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्षी पाए जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मामले में पुलिसन ने कृष्ण कुमार सोरी पिता पीलू राम सोरी उम्र 28 साल साकिन आमझर थाना व जिला गरियाबंद ,फुलबासन पति चरणसिंग जगत उम्र 36 साकिन आमझर थाना व जिला गरियाबंद तथा गोविंदा सोरी पिता अमृत लाल सोरी उम्र 20 साल साकिन आमझर थाना व जिला गरियाबंद को गिरफ्तार किया है।

गौ तस्करी मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव, 05 सितम्बर (एजेंसी)। जिले की सोमनी थाना पुलिस ने गौ तस्करी के मामले में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में पूर्व में दो आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा जा चुका है। बता दें कि दिनांक 11.07.2025 को ग्राम शिकारीटोला में कुछ युवक अवैध रूप से पशु परिवहन करने की नियत से एक वाहन अशोक लिलैण्ड में मवेशिओ को भर रहे थे जिस पर थाना सोमनी में पशु क्रुरता अधिनियम 1960 की धारा 11 एवं छग कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं धारा 111, 325, 3(5) बीएनएस कर विवेचना कार्यवाही करते हुए घटना में प्रयुक्त वाहन ट्रक अशोक लिलैण्ड क्रमांक एमएच-35-एजे-2992, 03 मोटरसायकल, 23 जीवित एवं 11 नग मृत मवेशी को बरामद कर में आरोपी अब्दुल राजीक पिता अब्दुल रफीक उम्र 40 साल निवासी पठानपुरा थाना मुर्तीजापुर जिला अकोला महाराष्ट्र तथा खिलेश साहू पिता स्व. महेश साहू उम्र 36 साल निवासी गोडपारा नंदई थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव को गिरफ्तार किया गया था। मामले में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग राजनांदगांव के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांददगांव राहूल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर लिया गया है, प्रकरण के अन्य फरार आरोपीगण की पता साजी जारी है।

दानी गर्ल्स स्कूल मार्ग में खुल ही गई चौपाटी : कन्हैया

रायपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। दानी गर्ल्स स्कूल डिग्री गर्ल्स कॉलेज रोड में पिछले पंद्रह सालों से चौपाटी निर्माण का सपना संजोए जो अदृश्य ताकत काम कर रही थी आंशिक सफलता उन्हें मिलने लगी है । मुंह चिढ़ाने दानी गर्ल्स स्कूल डिग्री गर्ल्स कॉलेज के गेट पर ही सबसे पहले चौपाटी की दुकान खुली है । माननीय महापौर और नगर निगम कमिश्नर ने संयुक्त रूप से काम बंद करने के निर्देश दिए थे उसके कुछ महीनो बाद बिना निर्देश वापस हुए चौपाटी का खुलना एक तरह से माफऔर कमिश्नर को भी चुनौती है छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल और बुढ़ापारा क्षेत्र नागरिक समिति के वरिष्ठ साथी डॉक्टर अजीत डेग्वेकर ने उक्ताशय का बयान जारी करते हुए कहा कि महापौर खिलाफ थी, कमिश्नर खिलाफ थे ,प्रशासन खिलाफ क्षेत्र की जनता खिलाफहै फिर ऐसी कौन सी अदृश्य शक्ति है जिसके दबाव लड़कियों की प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित स्कूल कॉलेज की बच्चियों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया?? प्रदेश के नवनियुक्त पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से भी इस संबंध में फोन पर चर्चा हुई,उन्हें समस्या से अवगत कराया गया सोमवार को मंत्री जी से इस संबंध में मुलाकात होगी। आंदोलनकारियों ने कहा कि यह चौपाटी यदि तुरंत बंद करने के आदेश नहीं हुए , सरकार ने चौपाटी बंद नहीं कराई तो यह स्पष्ट होगा की चौपाटी का संचालन सरकार के संरक्षण में सरकार के नुमाइंदे ही कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चौपाटी तो बंद होगी ,जरूर होगी, जन दबाव में होगी, जन आंदोलन से होगी ....कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि पिछले 15 - 17 सालों में चौपाटी बनाने के अनेक प्रयास हुए हर बार जन दबाव जन आंदोलन के चलते चौपाटी का काम बंद हुआ .ञ...लेकिन 2023 दिसंबर में भाजपा की सरकार बनने के साथ दानी स्कूल की बंद सड़क को प्रारंभ करवाने की आड़ में चौपाटी का काम तुरंत प्रारंभ किया गया । विरोध के चलते बीच-बीच में काम बंद कराया गया पर चोरी छुपे जनहित को कारण बताकर जिस तरह दानी स्कूल की सड़क का उपयोग चौपाटी के लिए करने का काम हुआ है उससे स्पष्ट है कि यह सड़क खोलने के लिए सारे प्रयास चौपाटी के हित में थे छात्र हित में नहीं थे । गर्ल्स स्कूल कॉलेज के पास चौपाटी खुलने से छात्राओं के आवागमन में बाधा के साथ छात्राओं की सुरक्षा तो खतरे में पड़ेगी ही क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित होगा, तालाब प्रदूषित होगा , पर्यावरण खराब होगा । पर्यावरण संरक्षण मंडल का काम तालाबों को संरक्षण देना है इसे बचाने की जिम्मेदारी भी पर्यावरण संरक्षण बोर्ड को लेनी चाहिए । डॉ अजीत डेग्वेकर ने कहा कि चौपाटी बंद करने की मांग को लेकर पर्यावरण मंत्री श्री ओ पी चौधरी और नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव से भी मुलाकात की जाएगी । सरकार यदि संबंध में तत्काल निर्णय नहीं लेती है तो प्रभावित मार्ग में धरना प्रदर्शन के साथ ही आंदोलन का विस्तार किया जाएगा।

चोरी छुपे प्रारंभ की गई चौपाटी दानी स्कूल मार्ग में

किसके दबाव में, किसके फायदे के लिए छात्राओं की सुरक्षा को खतरे में डाला गया - कन्हैया अग्रवाल

रायपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। दानी गर्ल्स स्कूल डिग्री गर्ल्स कॉलेज रोड में पिछले पंद्रह सालों से चौपाटी निर्माण का सपना संजोए जो अदृश्य ताकत काम कर रही थी आंशिक सफलता उन्हें मिलने लगी है। मुंह चिढ़ाने दानी गर्ल्स स्कूल डिग्री गर्ल्स कॉलेज के गेट पर ही सबसे पहले चौपाटी की दुकान खुली है। महापौर और नगर निगम कमिश्नर ने संयुक्त रूप से काम बंद करने के निर्देश दिए थे उसके कुछ महीनो बाद बिना निर्देश वापस हुए चौपाटी का खुलना एक तरह से माफऔर कमिश्नर को भी चुनौती है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल और बुढ़ापारा क्षेत्र नागरिक समिति के वरिष्ठ साथी डॉक्टर अजीत डेग्वेकर ने उक्ताशय का बयान जारी करते हुए कहा कि महापौर खिलाफथी, कमिश्नर खिलाफथे ,प्रशासन खिलाफ क्षेत्र की जनता खिलाफहै फिर ऐसी कौन सी अदृश्य शक्ति है जिसके दबाव लड़कियों की प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित स्कूल कॉलेज की बच्चियों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया?? प्रदेश के नवनियुक्त पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से भी इस संबंध में फोन पर चर्चा हुई,उन्हें समस्या से अवगत कराया गया सोमवार को मंत्री जी से इस संबंध में मुलाकात होगी। आंदोलनकारियों ने कहा कि यह चौपाटी यदि तुरंत बंद करने के आदेश नहीं हुए , सरकार ने चौपाटी बंद नहीं कराई तो यह स्पष्ट होगा की चौपाटी का संचालन सरकार के संरक्षण में सरकार के नुमाइंदे ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौपाटी तो बंद होगी ,जरूर होगी, जन दबाव में होगी, जन आंदोलन से होगी ....

कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि पिछले 15 - 17 सालों में चौपाटी बनाने के अनेक प्रयास हुए हर बार जन दबाव जन आंदोलन के चलते चौपाटी का काम बंद हुआ .ञ...लेकिन 2023 दिसंबर में भाजपा की सरकार बनने के साथ दानी स्कूल की बंद सड़क को प्रारंभ करवाने की आड़ में चौपाटी का काम तुरंत प्रारंभ किया गया । विरोध के चलते बीच-बीच में काम बंद कराया गया पर चोरी छुपे जनहित को कारण बताकर जिस तरह दानी स्कूल की सड़क का उपयोग चौपाटी के लिए करने का काम हुआ है उससे स्पष्ट है कि यह सड़क खोलने के लिए सारे प्रयास चौपाटी के हित में थे छात्र हित में नहीं थे । गर्ल्स स्कूल कॉलेज के पास चौपाटी खुलने से छात्राओं के आवागमन में बाधा के साथ छात्राओं की सुरक्षा तो खतरे में पड़ेगी ही क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित होगा, तालाब प्रदूषित होगा , पर्यावरण खराब होगा । पर्यावरण संरक्षण मंडल का काम तालाबों को संरक्षण देना है इसे बचाने की जिम्मेदारी भी पर्यावरण संरक्षण बोर्ड को लेनी चाहिए । डॉ अजीत डेग्वेकर ने कहा कि चौपाटी बंद करने की मांग को लेकर पर्यावरण मंत्री श्री ओ पी चौधरी और नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव से भी मुलाकात की जाएगी । सरकार यदि संबंध में तत्काल निर्णय नहीं लेती है तो प्रभावित मार्ग में धरना प्रदर्शन के साथ ही आंदोलन का विस्तार किया जाएगा।

यूको बैंक में चोरी की कोशिश, लॉकर नहीं तोड़ पाए चोर

रायपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी में चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रविवार की रात जोरा इलाके में स्थित यूको बैंक को निशाना बनाकर चोरों ने उसमें सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि वे बैंक का लॉकर तोड़ने में नाकाम रहे और मौके से फरार हो गए। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, चोर रात के समय योजना बनाकर बैंक पहुंचे और पीछे की खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने लॉकर को गैस कटर से काटने की कोशिश की, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह जब बैंक कर्मचारी पहुंचे और शटर खोला, तो अंदर का दृश्य देखकर वे हैरान रह गए। बैंक का सामान बिखरा पड़ा था और पीछे की खिड़की टूटी हुई थी। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती अनुमान के अनुसार चोर बैंक में चोरी करने में असफल रहने के बाद वहां से भाग निकले। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर जांच जारी है।

यूको बैंक में चोरी की कोशिश, लॉकर नहीं तोड़ पाए चोर

रायपुर, 05 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी में चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रविवार की रात जोरा इलाके में स्थित यूको बैंक को निशाना बनाकर चोरों ने उसमें सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि वे बैंक का लॉकर तोड़ने में नाकाम रहे और मौके से फरार हो गए। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, चोर रात के समय योजना बनाकर बैंक पहुंचे और पीछे की खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने लॉकर को गैस कटर से काटने की कोशिश की, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह जब बैंक कर्मचारी पहुंचे और शटर खोला, तो अंदर का दृश्य देखकर वे हैरान रह गए। बैंक का सामान बिखरा पड़ा था और पीछे की खिड़की टूटी हुई थी। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती अनुमान के अनुसार चोर बैंक में चोरी करने में असफल रहने के बाद वहां से भाग निकले। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर जांच जारी है।

तेज बारिश के चलते सड़क पर गिरा पेड़, आवागमन बाधित

रामानुजगंज, 05 सितंबर (एजेंसी)। रवीवार को दोपहर 1 बजे के करीब मूसलाधार बारिश से ग्राम सनवाल एवं डिंडो मुख्य मार्ग में ग्राम सुंदरपुर में सड़क के बीचो-बीच पेड़ के गिर जाने से घंटों आवगमन बाधित हो गया वही बाइक सवार दंपति पेड़ की चपेट में आने से बाल बाल बचे। चार चक्का वाहन का आना-जाना पूर्णता बाधित हो गया था। वहीं बाइक सवार वैकल्पिक मार्ग से जा रहे थे। धमनी रेंज के रेंजर अजय वर्मा को सूचना के बाद तत्काल मौके पर वन अमले को भेजा गया जिनके द्वारा पेड़ को कटवा कर आवगमन को सामान्य किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुंदरपुर में विशालकाय पेड़ के सड़क के बीचो-बीच गिर जाने के बाद घंटो आवागमन बाधित रहा। बड़े एवम चार चक्का वाहन का पूर्णत आना जाना बाधित हो गया था दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई थी कई वाहन तो कई किलोमीटर की दूरी तय करके अपने गंतव्य तक आना-जाना किया। दो चक्का वाहन सड़क के बगल से वैकल्पिक मार्ग से आना-जाना कर रहे थे। सनावल से ग्राम डिंडो लोक निर्माण विभाग का डामरीकृत सड़क है इस सड़क से दिन भर लोगों का आना-जाना लगा रहता है दोपहर में पेड़ के गिरने के बाद आवगमन बाधित होने से कई लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। वन विभाग के द्वारा पेड़ को कटवाकर किनारे कराया गया तब जाकर आवागमन सामान्य हो सका।

गांजा बेचने ग्राहक की तलाश करते दो आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा, 05 सितम्बर (एजेंसी)। जिले की भाटापारा ग्रामीण पुलिस ने अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा की बिक्री करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से दो किलो सौ ग्राम गांजा जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों, अवैध महुआ शराब बनाने वाले, जुआ सट्टा एवं अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले अंवैधानिक तत्वों की धरपकड कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में ग्राम खोखली में अवैध मादक पदार्थ गांजा की बिक्री करने वाले 02 आरोपियों को पकड़ा गया है। मुखबिर सूचना पर आज दिनांक 31.08.2025 को थाना भाटापारा ग्रामीण की पुलिस टीम द्वारा जयस्तंभ चौक के पास खोखली में अवैध मादक पदार्थ गांजा की बिक्री करने के लिए ग्राहकों की तलाश करने वाले 2 आरोपियों को मोटरसाइकिल सहित पकड़ा गया है। पुछताछ में दोनों ने अपना नाम क्रमश: हरिशंकर वर्मा उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम मोपका थाना भाटापारा ग्रामीण तथा लुकेश साहू उम्र 27 साल निवासी ग्राम गोरदी थाना हथबंद होना बताया जिसके बाद पुलिस टीम द्वारा आरोपियों एवं उनके मोटरसाइकिल का सुक्ष्मतापूर्वक निरीक्षण किया गया,

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. टुड्डी पर के बाल, टुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

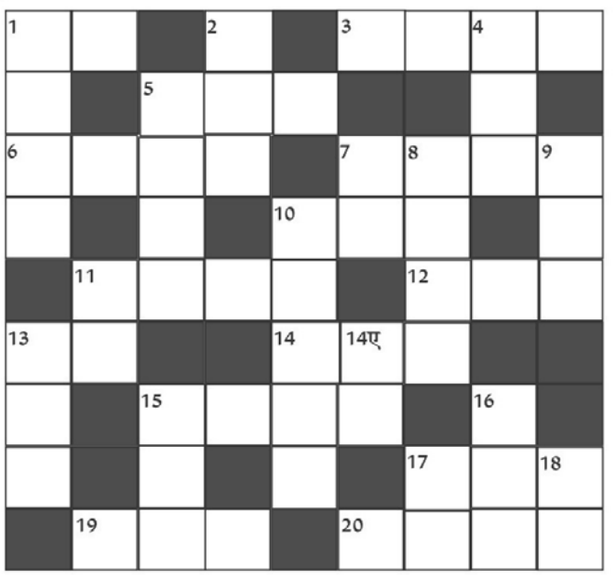

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

जसप्रीत बुमराह या शोएब अख्तर, कौन है ज्यादा घातक गेंदबाज? आकाश चोपड़ा का चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली,05 सिंतबर (एजेंसी)। मौजूदा समय के गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह शोएब अख्तर से अधिक डरावने हैं, यह आकाश चोपड़ा का आश्चर्यजनक और स्पष्ट जवाब है। बुमराह की रैंकिंग व आंकड़े उन्हें आधुनिक युग के सबसे प्रभावशाली पेसर में से एक बनाते हैं। एशिया कप 2025 से पहले, पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से पूछा गया कि क्या पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को अतीत में सामना करना ज्यादा मुश्किल था या वर्तमान के भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह को। चोपड़ा ने इस सवाल का स्पष्ट और हैरान कर देने वाला जवाब दिया, जिससे सभी चौंक गए।

दोनों गेंदबाजों की उपलब्धियांचोपड़ा ने एक यूट्यूब चैनल क्रेक्स से कहा मुझे लगता है बुमराह। बुमराह के आंकड़ों की बात करें तो उन्होंने अब तक 48 टेस्ट मैचों में 219 विकेट, 89 वनडे मैचों में 149 विकेट, और 70 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 89 विकेट लिए हैं, जिससे उनकी क्षमता का पता लगता है। वहीं, शोएब अख्तर ने 46 टेस्ट में 178 विकेट, 163 वनडे में 247 विकेट और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 19 विकेट लिए थे। अख्तर अपने समय के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उनके नाम क्रिकेट की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है।अन्य सवालों के जवाबइंटरव्यू में चोपड़ा से एक और सवाल पूछा गया- ऐसा कौन सा बल्लेबाज है जिसे देखने के लिए वह खुद पैसे खर्च कर सकते हैं? इस पर उन्होंने भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम लिया। उन्होंने बताया कि कोहली ने भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, और अब वह केवल अपने सबसे पसंदीदा वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं, लेकिन फिर भी वह उन्हें देखने के लिए पैसे खर्च करेंगे।

एशिया कप में जितेश शर्मा का भविष्य

चोपड़ा ने एशिया कप टी20 से पहले टीम इंडिया के लिए एक और अहम अनुमान भी लगाया। उन्होंने कहा कि आगामी एशिया कप में जितेश शर्मा को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। चोपड़ा ने जितेश के आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि उनके नंबर और स्ट्राइक रेट में बहुत सुधार आया है, जो नंबर चार से सात तक बल्लेबाजी क्रम में उन्हें सबसे ऊंचा दर्जा देते हैं। आकाश ने की जितेश की तारीफआकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, %मुझे लगता है कि जितेश शर्मा एशिया कप में इलेवन का हिस्सा होंगे। हमें पोजिशन एक से तीन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्हें वहां मौका नहीं मिलेगा, लेकिन चार से सात नंबर पर उनकी संख्याएं काफी बेहतर हुई हैं। उनका स्ट्राइक रेट 166 है और औसत 28 का है। वह पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर है। तो जब बैटिंग ऑर्डर तैयार होगा तो वह सबसे ऊपर होंगे। जितेश शर्मा की संख्याएं बाकी सभी के मुकाबले सबसे अच्छी लगी हैं। वह चमक रहे हैं और नंबर एक पर नजर आ रहे हैं। मैं सच में उम्मीद करता हूं कि उनका एशिया कप अच्छा जाए।आरसीबी की जीत में जितेश की भूमिका

जितेश, जिन्होंने अब तक भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2025 जीत में अहम कड़ी साबित हुए। उन्होंने बतौर फिनिशर 261 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 176 का रहा। इन प्रदर्शनों ने उन्हें भारत की टी20 टीम में एशिया कप के लिए दोबारा जगह दिलाने में मदद की, जो नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगा। 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी।

अध्यक्ष पद के लिए रणनीति तैयार, आईपीएल चेयरमैन पर भी नजरें, राजीव शुक्ला का नाम दौड़ में

नई दिल्ली ,05 सिंतबर (एजेंसी)। वर्तमान आईपीएल चेयरमैन अरुण कुमार धूमल के अनिवार्य तीन साल के कूलिंग पीरियड पर जाने की उम्मीद है। वहीं, किसी नामी क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाए जाने की योजना है। जिस तरह पहले सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया गया है। उसी तरह इस बार भी किसी बड़े क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाने जाने की तैयारी चल रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इस माह के अंत में होने वाले चुनाव में अध्यक्ष और आईपीएल चेयरमैन के पद दांव पर रहेंगे। वर्तमान आईपीएल चेयरमैन अरुण कुमार धूमल के अनिवार्य तीन साल के कूलिंग पीरियड पर जाने की उम्मीद है। वहीं, किसी नामी क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाए जाने की योजना है। जिस तरह पहले सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया गया है। उसी तरह इस बार भी किसी बड़े क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाने जाने की तैयारी चल रही है। हालांकि अभी नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन यह संभावनाएं तलाशनी शुरू हो चुकी हैं कि कौन से बड़े क्रिकेटर बीसीसीआई का अध्यक्ष बनने के इच्छुक हैं।चेयरमैन के लिए शुक्ला का नाम चर्चा में

आईपीएल चेयरमैन के पद पर दो नामों की चर्चा है, इनमें बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव संजय नायक सबसे आगे हैं। शुक्ला पहले भी आईपीएल के चेयरमैन रह चुके हैं। हालांकि अभी किसी का भी नाम तय नहीं हुआ है। अगर शुक्ला आईपीएल चेयरमैन बनते हैं तो बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव और भाजपा नेता राकेश तिवारी को उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। कुछ पदों पर ही चुनाव संभव है। यह चुनाव लोढ़ा स मिति के संविधान के अनुसार होंगे। राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अभी अधिसूचित नहीं हुआ है, जिसके चलते विधेयक के अनुसार चुनाव नहीं होंगे। इसी के चलते नौ जुलाई को 70 वर्ष के हो चुके रोजर बिन्नी को अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा। लोढ़ा समिति के अनुसार होंगे चुनावराजीव शुक्ला 2020 में उपाध्यक्ष बने थे। लोढ़ा समिति के अनुसार उनका एक वर्ष का कार्यकाल और बचा है। इसके बाद उन्हें कूलिंग पीरियड पर जाना होगा। हालांकि अगले वर्ष होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक में अगर विधेयक के अनुसार चुनाव होते हैं तो उन्हें कूलिंग पीरियड पर जाने की जरूरत नहीं होगी। देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव और सचिव पद पर तीन वर्ष पूरे कर चुके हैं, लेकिन वह सचिव पद पर अगला कार्यकाल जारी रखेंगे। संयुक्त सचिव रोहन देसाई और प्रभतेज भाटिया का अभी एक वर्ष ही हुआ है, दोनों कार्यकाल जारी रखेंगे।

पांच साल पुराना वीडियो वायरल होने पर भड़के इरफान, पीआर लॉबी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,05 सिंतबर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पुराना इंटरव्यू वायरल होने के बाद इरफान ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, %आधा दशक पुराना वीडियो अब बयान के संदर्भ को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए सामने आया है। फैन वॉर? पीआर लॉबी?पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें अपने करियर को लेकर बात करते देखा जा सकता है। इसमें वह कथित रूप से धोनी पर निशाना साधते दिख रहे हैं। पांच साल पुराने इस वीडियो के वायरल होने के बाद अब इरफान ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीआर लॉबी पर निशाना साधा है।पुराना इंटरव्यू वायरल होने पर क्या बोले इरफान पठान?सोशल मीडिया पर पुराना इंटरव्यू वायरल होने के बाद इरफान ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, आधा दशक पुराना वीडियो अब बयान के संदर्भ को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए सामने आया है। फैन वॉर? पीआर लॉबी? यहां इरफान ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कुछ प्रशंसकों का मानना है कि वह धोनी पर निशाना साध रहे हैं। एक यूजर

ने लिखा, कोई है जो बिना सोशल मीडिया पर आए अपना पी आर चलाता है।जब धोनी से पूछा सवाल तो मिला ये जवाब इरफान ने स्पोर्ट्स तक को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि 2008 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मीडिया में खबरें आई थीं कि धोनी उनकी गेंदबाजी से खुश नहीं हैं। इस पर इरफान ने खुद जाकर धोनी से पूछा था। इरफान ने कहा, हां, मैंने पूछा था। मीडिया में बयान आया था कि इरफान अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे। मुझे लगा कि मैंने तो सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है, तो मैंने माही भाई से जाकर बात की। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, सब ठीक चल रहा है। जब कप्तान खुद कह दे, तो आप भरोसा कर लेते हैं। अगर बार-बार स्पष्टीकरण मांगो, तो अपनी इज्जत पर असर पड़ता है।

हुक्का लगाने की आदत नहीं

इरफान ने धोनी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें कप्तान को खुश करने की आदत नहीं थी। उन्होंने कहा, मेरी आदत नहीं है कि मैं किसी के कमरे में हुक्का लगाऊं या खुशामद करूं। सब जानते हैं। कभी-कभी चुप रहना बेहतर होता है। एक खिलाड़ी का असली काम मैदान पर प्रदर्शन करना है और मैं उसी पर ध्यान देता था। अचानक करियर का अंत हुआ इरफान पठान ने 2012 में आखिरी वनडे खेला था, जिसमें उन्होंने पांच विकेट भी झटके थे।

इसके बावजूद उन्हें दोबारा टीम में जगह नहीं मिली और उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अचानक थम गया। इरफान पठान ने जब भारतीय टीम में एंट्री की थी, तब लोग उनके पेस और स्विंग को देखकर हैरान रह गए थे। इरफान ने शुरुआती दौर में दुनिया के कई दिग्गज बल्लेबाजों को अपने स्विंग से परेशान किया। टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले वह भारत के पहले तेज गेंदबाज बने थे।

व्यापार

जीएसटी में सुधार की उम्मीद से वाहन-एसी व फ्रिज की खरीद टाल रहे ग्राहक-दुकानदार, 25-30 फीसदी का होगा असर

निवेश-बचत: सोने में रिकॉर्ड उछाल, चूक न जाना ये मौका, अभी खरीदें या दाम घटने का करें इंतजार

नई दिल्ली,05 सिंतबर (एजेंसी)। वैश्विक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और रुपये की कमजोरी से सोने के भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। छोटी अवधि में बहुमूल्य धातु की कीमतों में मामूली गिरावट आने की उम्मीद है। इस दौरान खरीदारी का सही मौका भी बन सकता है। इसके बाद सोने की कीमतों में गिरावट के आसार नहीं दिख रहे।सोने ने फिर इतिहास रच दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 29 अगस्त को गोल्ड ने तीन महीने के उच्चतम स्तर को पार करते हुए 3,450 डॉलर प्रति औंस तक का स्तर छू लिया। घरेलू बाजार में रुपये में लगातार कमजोरी के चलते 24 कैरेट गोल्ड 1,03,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या इस भाव पर खरीदारी करनी चाहिए? खासकर तब, जब आगे श्राद्ध पक्ष में मांग धीमी रहेगी और उसके बाद त्योहार एवं शादी का सीजन बाजार को नई रफ्तार देगा।दरअसल, सोने में तेजी की शुरुआत कोरोना काल के बाद हुई।?लेकिन, असली रफ्तार अक्तूबर, 2023 से दिखी। मिडिल ईस्ट का तनाव, डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ चक्रव्यूह और अमेरिका के बढ़ते कर्ज ने सोने की कीमतों को 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचा दिया।

नई दिल्ली ,05 सितंबर(एजेंसी) । जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं।

जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो करने के प्रस्ताव के बाद से ग्राहक व दुकानदार महंगी सामानों को खरीदने से बच रहे हैं। इनका मानना है कि इस हफ्ते टैक्स घटने से इनको भारी फायदा हो सकता है। जिन सामानों की खरीदी कम या पूरी तरह ठप हो गई है, उनमें प्रमुख रूप से वाहन, एसी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं। दुकानदारों को डर है कि अभी सामान खरीदने से उनको जीएसटी घटने के बाद सस्ते में बेचना पड़ सकता है।जीएसटी परिषद इसी सप्ताह 3-4 सितंबर को बैठक करेगी। इसमें मंत्रियों के समूह के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अंतिम निर्णय के बाद मौजूदा चार स्लैब 5,12,18 और 28 फीसदी में से केवल 5 एवं 18 फीसदी के स्लैब रह जाएंगे। ऐसे में 28 फीसदी वाली वस्तुएं 18 फीसदी के दायरे में आ जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को फायदा की उम्मीद है। जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की

तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं। वहीं, वाहन उद्योग का मानना है कि मांग मजबूत है। लेकिन, उन्होंने देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाई है। निर्णय लेने में देरी से नए वाहनों की बिक्री पर असर पड़ रहा है। उम्मीद है कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा, जिसका असर खरीद-बिक्री की गतिविधियों में देखने को मिलेगा। हालांकि, निकट भविष्य में बिक्री में अस्थायी गिरावट आ सकती है। लेकिन, नई व्यवस्था पर स्पष्टता आने के बाद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पूरे साल का एक चौथाई राजस्व त्योहार में कमाते हैं। जीएसटी दरों में कमी से त्योहारी सीजन में ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास से खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिल सकता है। ब्रांडों के साथ कंपनियों की चल रही चर्चाखुदरा विक्रेता बढ़े हुए स्टॉक का प्रबंधन कर रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसी श्रेणियों में मांग में देरी देखी जा रही है। ई-कॉमर्स कंपनियां अक्तूबर में त्योहारी सीजन के आखिरी चरणों में मांग में संभावित उछाल के लिहाज से तैयारी करने के लिए?ब्रांडों के साथ बातचीत कर रही हैं। इन्हें उम्मीद है कि तब तक जीएसटी की नई दर लागू हो गई होगी।बीमा प्रीमियम का भुगतान भी रोक रहे पॉलिसीधारकस्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की चर्चा है। इससे जिन ग्राहकों को पॉलिसी अभी रिन्यू करानी है, वे इसे रोक रहे हैं। या तो वे एक महीने के लिए रिन्यू करा रहे हैं, या वे फिर इसे टाल भी रहे हैं। नियमों के अनुसार बीमा प्रीमियम तय समय से 15 दिन या एक महीने बाद भी भरा जा सकता है जिस पर कोई जुर्माना नहीं है। हालांकि, इस दौरान किसी भी तरह का दावा स्वीकार नहीं किया जाता है।त्योहारों में वाहन बिक्री में 10% से कम वृद्धि

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के एमडी संतोष अय्यर ने कहा, ग्राहकों को त्योहारी सीजन का बेसब्री से इंतजार रहता है। उम्मीद है कि इस दौरान बिक्री में तेजी आएगी।

इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितिन मक्कड़ ने कहा, इस साल त्योहारी सीजन में बिक्री में 10 फीसदी से कम वृद्धि रह सकती है।?अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के चलते कारोबारी धारणा कमजोर होने की आशंका है।

होम लोन के भारी ब्याज से राहत चाहते हैं, तो जरूर अपनाएं खास तरीका, एसआईपी में करें निवेश

नई दिल्ली,05 सिंतबर (एजेंसी)। निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा।कोविड-19 काल के बाद से मकान की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिली है।?दिल्ली, नोएडा, गुरूग्राम या देश के किसी भी

बड़े शहर में मकान खरीदना अब चुनौती बन गई है। अगर होम लोन लेकर मकान खरीदते हैं, तो मूल कर्ज से ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ता है।निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा।होम लोन से अधिक होती है ब्याज की राशिअगर आप 20 साल की अवधि के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर पर 50 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं, तो हर महीने 42,603 रुपये की ईएमआई बनेगी। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपको ब्याज के रूप में 52.24 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा।यह राशि मूल कर्ज से अधिक है। इस तरह, आप बैंक को कुल 1.02 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करेंगे।

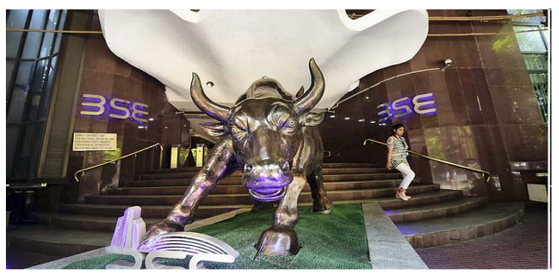

अप्रैल–जून में भारत की लठकमें उम्मीद से ज्यादा वृद्धि से बाजार गुलजार, सैंसेक्स–निफ्टी में तेजी

मुंबई ,05 सिंतबर (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भारत, चीन और रूस के एक मंच पर आने के बाद बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की। नए वैश्विक समीकरणों की उम्मीद के बीच शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंचा। ऐसे ही निफ्टी 105.8 अंक बढ़कर 24,532.65 पर आ गया। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे गिरकर 88.26 पर खुला।अप्रैल-जून में भारत की अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा 7.8 फीसदी की वृद्धि के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में हरियाली दिखी। इस दौरान

बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। जीडीपी के मामले में यह पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंच गया। ऐसे ही 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 105.8 अंक बढ़कर 24,532.65 पर आ गया। किसे फायदा-किसे नुकसान?सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक और एनटीपीसी सबसे ज्यादा फायदे में दिखीं। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और सन फार्मा पिछड़ती नजर आईं। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,312.66 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों तिमाहियों में सबसे तेज गति थी।

बढ़ता जा रहा जलस्तर, बांगो बांध के 8 गेट खोले गए

बाढ़ का खतरा बढ़ा, लगातार पानी छोड़े जाने से हसदेव नदी उफान पर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। लगातार हो रही बारिश से बांगो बांध का जल स्तर बढ़ रहा है। गुरुवार को 4 गेट खोलने के बाद भी जल स्तर कम नहीं हो रहा था। जिसे देखते हुए 4 और गेट खोलने पड़े। कुल 8 गेट खोल कर पानी छोड़ा जा रहा है।

पानी का प्रवाह बढ़ने के कारण बांध का जलस्तर बढ़कर 358.11 मीटर हो गया। जिसे देखते हुए बांध में जलस्तर बनाए रखने के लिए गुरुवार रात 10:30 बजे गेट संख्या 4,8 को 50-50 सेमी बढ़ा दिया गया। गेट संख्या 5 -1.50 मीटर, गेट संख्या 6 - 1.50 मीटर, गेट संख्या 4 -1.00 मीटर और गेट संख्या 8 -1.00 मीटर खुला रहा। सभी गेटों से कुल 29,072 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। पॉवर प्लांट हाइड्रेल के द्वारा 9,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। रात में बांध से कुल 38,072 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा जा रहा था।

शुक्रवार सुबह पानी का प्रवाह बढ़ने के कारण बांध का जलस्तर बढ़कर 358.11 मीटर पर स्थिर हो गया। जिसे कम किया जाना है इसलिए बांध में जलस्तर को नियंत्रण में रखने शुक्रवार सुबह 5 बजे दो नए गेट, गेट संख्या -03 और 09 को भी ओपन किया गया। गेट संख्या 5 -1.50 मीटर, गेट संख्या 6 -1.50 मीटर, गेट संख्या 4 -1.00 मीटर,गेट संख्या 8 -1.00 मीटर, गेट संख्या 3 - 0.50 मीटर और गेट संख्या 9 को 0.50 मीटर खोला गया। सभी गेटों से कुल 34,988 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। पॉवर प्लांट हाइड्रेल के द्वारा 9,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस प्रकार बांध से कुल 43,988 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा जा रहा था। इसके बाद भी बांध का जलस्तर 358.11 मीटर पर स्थिर है। जलस्तर को नियंत्रण कर कम करने के लिए सुबह 8:30 बजे दो नए गेट, गेट संख्या 2 और 7 को भी आवश्यकतानुसार ओपन किया गया। गेट संख्या 2 - 0.50 मीटर और गेट संख्या 7 - 0.50 मीटर खुला है। सभी गेटों से कुल 40,904 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है और पॉवर प्लांट हाइड्रेल के द्वारा 9,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है इस प्रकार बांध से कुल 49,904 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा जा रहा है ।

जिससे हसदेव नदी का जलस्तर बढ़ गया है। दर्री बराज में भी पानी का स्तर बढ़ा हुआ है। लगातार पानी छोड़े जाने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख इलाकों में जलभराव बारिश का सबसे ज्यादा असर मानिकपुर, रविशंकर नगर, सीतामणी और खरमोरा जैसे इलाकों में देखने को मिला। यहाँ सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई जगह नालियाँ उफान पर हैं और उनका गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जो लोगों के घरों में भी घुस रहा है। रविशंकर नगर में स्थिति इतनी खराब है कि निवासियों में भारी आक्रोश है। यहाँ हर साल बारिश के मौसम में ऐसी स्थिति बनती है, लेकिन समाधान नहीं हो पाता। रविशंकर नगर में जलभराव के कारण सुबह-सुबह बच्चों से भरी एक स्कूल बस सड़क पर फंस गई। यह घटना शहर की खराब जल निकासी व्यवस्था को उजागर करती है। लगातार हो रही बारिश के कारण दादर नाला भी उफान पर है। नाले के ऊपर से पानी बहने के कारण कई गांवों का संपर्क शहर से कट गया है। ग्रामीणों को आने-जाने के लिए लंबे रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। शहर की सबसे महत्वपूर्ण जगहों में से एक, जिला मेडिकल कॉलेज के सामने भी जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण भारी जलभराव हो गया है। मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती है। प्रशासन को इस समस्या पर ध्यान देने और जल निकासी के लिए दीर्घकालिक समाधान निकालने की आवश्यकता है, ताकि हर साल बारिश में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले में हो रही भारी बारिश को ध्यान में रखते हुए बाढ़ की स्थिति के नियंत्रण के लिए सभी एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। साथ ही स्वास्थ्य, विद्युत एवं अन्य लाइन डिपार्टमेंटल अधिकारी कर्मचारियों को सक्रियता से कार्य करने निर्देशित किया है। उन्होंने बांध एवं नदी के समीपस्थ इलाकों से चल अचल परिसम्पत्तियों को हटाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो में मुनादी कराने के भी निर्देश दिए है। जिले में लगातार हो रहे बारिश के कारण मिनीमाता बांगो बांध माचाडोली एवं हसदेव बराज दर्री से नदी में पानी प्रवाहित किया जा रहा है। वर्तमान में बांगो बांध के 6 गेट से पानी नदी में छोड़ा जा रहा है।कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांगों बांध संभाग क्र. 3 माचाडोली ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों से बांध से नीचे एवं हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का आग्रह किया है। साथ ही बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर निकालना सुनिश्चित कर लें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध एवं हसदेव बराज जल प्रबंध संभाग को बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने की अपील की गई है।

इन गांवों में बाढ़ का खतरा

बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, चर्रा, पोड़ीउपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कल्मीपारा, सिलयारीपारा, जुनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमाड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेल गांव, झाबू, नवांगांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल हैं।

युवक पर टूटकर गिरा विद्युत तार, मौत

गणेश विसर्जन के दौरान हुई घटना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विद्युत वितरण विभाग की लापरवाही से उरगा थाना अंतर्गत कराईनारा गांव में 19 साल के युवक की करंट से मौत हो गई।

गणेश विसर्जन के लिए जा रहा कमलेश महंत करंट प्रवाहित बिजली के तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत का शिकार बन गया। बताया जा रहा कि कमलेश गांव में विराजे गए भगवान श्री गणेश के विसर्जन के लिए अन्य लोगों के साथ जा रहा था। इस दौरान वह अन्य लोगों के साथ नाच-गा रहा था। नाचने गाने के दौरान थक कर खंभे के किनारे मौजूद चबूतरानुमा जगह पर बैठ गया। जहां पर कमलेश बैठा था, उसके

ऊपर से विद्युत तार गुजारी गई है। बैठे रहने के दौरान काफी जर्जर हो चुका करंट प्रवाहित बिजली का तार टूट कर उसके ऊपर गिर गया। कमलेश उसी की चपेट में आ गया और उसे बिजली का जबरदस्त झटका लगा। सूचना बाद आनन- फानन में परिजन उसे लेकर चांपा स्थित निजी अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में विद्युत वितरण विभाग की लापरवाही सामने आई है जो गांव वालों की शिकायत को पिछले लंबे समय से नजर अंदाज कर रहा था। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने कई बार जर्जर बिजली के तार को सुधारने की मांग की थी लेकिन विभाग ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। लिहाजा, ग्रामीण ही अपने स्तर पर बिजली के तार को जैसे-तैसे सुधार कर काम चला रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि इस तार के कारण कमलेश महंत की जान चली जाएगी।

परिवार के मृत सदस्य के नाम से भी उठा रहे खाद्यान्न

हटाए गए सात हजार से अधिक हितग्राहियों के नाम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। खाद्य विभाग ने हाल में बीपीएल कार्ड में दर्ज लगभग सात हजार से अधिक हितग्राहियों के नाम को निष्क्रिय सूची में रखकर हटा दिया है। विभाग का दावा है कि ये उन हितग्राहियों के नाम हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या फिर कोरबा के साथ दूसरे प्रदेश में भी राशन कार्ड बनवाकर योजना का उठा रहे हैं। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार जिले में तीन लाख 17 हजार 738 हितग्राही परिवार हैं। इसमें इन कार्डों में 10 लाख 61 हजार 814 नाम दर्ज है। शासन की ओर से इन सदस्यों को हर माह पीडीएस दुकानों से सस्ता राशन

उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन कुछ ऐसे भी परिवार हैं, जो सदस्यों की मृत्यु हो जाने के बाद भी विभाग को सूचना नहीं दे रहे हैं। इस पर विभाग ने नकेल कसना शुरू किया है। विभाग के सात बिंदुओं पर जांच अभियान शुरू की है। इसके तहत बीपीएल कार्डधारी परिवार के उन सदस्यों की पहचान की जा रही है, जहां परिवार में मृतक सदस्य के नाम से भी राशन उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा दूसरे प्रदेश में जाकर सस्ता राशन का लाभ रहे हैं, छह या फिर 12 माह से राशन लेने के लिए पीडीएस दुकान तक नहीं पहुंचे। अभी तक विभाग ने ऐसे लगभग साढ़े सात हजार से अधिक नामों की सूची तैयार की है। इसका सत्यापन के साथ ही बीपीएल सूची से नामों को हटाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

कई अन्य बिंदुओं में होगी जांच

बताया जा रहा है कि जिले में कई ऐसे परिवार हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे वर्ग से उपर उठे चुके है या फिर उनकी आय शासन के मापदंड के अनुसार निर्धारित आय से अधिक है। इसके अलावा बीपीएल कार्डधारक के नाम पर कंपनी या संस्था, आयकरदाता सहित अलग-अलग वर्ग में कई बिंदुओं पर भी जांच होनी है। इसके अंतर्गत बड़े किसान भी आएंगे। बताया जा रहा है कि जिन किसानों की भूमि लगभग दो हेक्टेयर से अधिक है, उनका भी नाम इस सूची शामिल करने की तैयारी। इसके लिए विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग की ओर से यह सूची शासन के समक्ष प्रस्तुत करेगी। इसके बाद पर शासन निर्णय लेने की बात कही जा रही है।

हाथियों ने किसानों की मेहनत पर फिर फेरा पानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते दो दिनों से 52 हाथियों का विशाल दल ग्रामीण इलाकों में प्रवेश कर फसलों को भारी नुकसान पहुँचा रहा है। जानकारी के अनुसार यह झुंड कटघोरा और करतला वन परिक्षेत्र के कई गांवों में घूम रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि झुंड के अचानक पहुंच जाने से स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो जाती है। वहीं कोरबा जिले में 26 हाथियों का एक और दल सक्रिय है, जिसने किसानों की सैकड़ों एकड़ फसल को पूरी तरह तबाह कर दिया है। हाथियों ने खेतों में खड़ी धान की फसल रौंदकर किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि रात होते ही हाथियों का दल गांवों के आसपास पहुंच जाता है और खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचाता है। भोजन की तलाश में भटक रहे इन हाथियों से गांवों में दहशत का माहौल है।

बैम्बू पिट वाइपर सांप ने खेत में काम कर रहे बुजुर्ग को काटा

सांप को लेकर अस्पताल पहुंच गया पीड़ित बुजुर्ग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला अब नाग लोक के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां सरीसृपों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें सांपों की एक अद्भुत और रहस्यमयी दुनिया भी शामिल है। आमतौर पर लोग जहरीले और काले सांपों से ही परिचित होते हैं लेकिन कोरबा में कुछ ऐसे सांप भी पाए जाते हैं, जो छलावे में इतने माहिर होते हैं कि उन्हें पहचानना बेहद मुश्किल होता है। ये सांप जितने सुंदर दिखते हैं, उतने ही खतरनाक भी होते हैं। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला जिले के अजगरबहार गांव से सामने आया है, जहां खेत में काम कर रहे एक बुजुर्ग को एक रहस्यमयी हरे सांप ने डंस लिया। आमतौर पर लोग ऐसी स्थिति में घबरा जाते हैं लेकिन

इस बुजुर्ग ने साहस का परिचय दिया। उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए डंसने वाले सांप को एक डिब्बे में बंद किया और सांप समेत जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। फिलहाल बुजुर्ग का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घायल बुजुर्ग के परिजनों ने घटना की सूचना आरसीआरएस संस्था को दी। संस्था के सर्पमित्र अविनाश यादव अपनी टीम अजय और प्रमोद के साथ मौके पर पहुंचे। विशेषज्ञों ने सांप की पहचान बैम्बू पिट वाइपर के रूप में की। यह सांप पत्तों जैसे अपने हरे रंग के कारण आसानी से दिखाई नहीं देता है, इसलिए इसे पत्तों में छिपा रहस्य भी कहा जाता है। बाद में वन विभाग को जानकारी दी गई और दिशा-निर्देश पर इस सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

बैम्बू पिट वाइपर की खासियत-सर्पमित्र अविनाश यादव ने इस सांप के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैम्बू पिट वाइपर की सबसे बड़ी खासियत इसका अद्भुत छलावरण है। यह गहरे हरे रंग का होता है और इसकी त्वचा पर हल्के धब्बे होते हैं, जो इसे पेड़ की शाखाओं और हरी-भरी झाड़ियों में पूरी तरह से घुल-मिल जाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि आम इंसानों का इनसे सामना कम ही हो पाता है और जब होता है, तो अक्सर देर हो चुकी होती है।

हाईकोर्ट ने आईएमए की याचिका को किया खारिज

बायो-मेडिकल कचरा सुविधा में पर्यावरण मंजूरी में देरी पर जताई चिंता

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) कोरबा शाखा की एक याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका एक निजी कंपनी को दिए गए बायो-मेडिकल कचरा प्रबंधन के टेंडर को चुनौती देने के लिए दायर की गई थी। कोर्ट ने कहा कि आईएमए टेंडर स्वीकृति समिति का हिस्सा था, इसलिए उसे इसकी वैधता पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा था कि टेंडर में देरी हुई और इसे रद्द कर नया टेंडर जारी किया जाए। कोर्ट ने पाया कि याचिका 10 निजी नर्सिंग होम चलाने वाले डॉक्टरों की ओर से दायर की गई थी, न कि पूरे आईएएम की ओर से। कोर्ट में यह कहा गया कि टेंडर 18 जुलाई 2019 को जारी हुआ था और 25 नवंबर 2019 को काम आवंटित किया गया था, लेकिन पर्यावरण मंजूरी में देरी के कारण काम शुरू नहीं हो सका। कोर्ट ने संबंधित प्राधिकरण को निर्देश दिया कि पर्यावरण मंजूरी के आवेदन पर जल्द से जल्द फैसला लिया जाए ताकि काम शुरू हो सके।

कर्मियों के पेंशन व अवकाश नगदीकरण की बढ़ाए सीमा- सांसद

ज्योत्सना महंत ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा है कि केन्द्रीय कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली ग्रेच्युटी सीमा को 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। वहीं, अवकाश नगदीकरण की सीमा अब भी 300 दिन तय है, जबकि छत्तीसगढ़ राज्य में अभी यह 240 दिन तक ही सीमित है। इसकी सीमा बढ़ाने की जरूरत है। सांसद ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस बारे में पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है। सांसद महंत ने कहा है कि राज्य कर्मचारियों को केंद्र के नियमों के अनुरूप सुविधाएं मिलनी चाहिए। वर्तमान में केवल 20 लाख रुपये की ग्रेच्युटी सीमा लागू है, जिससे कर्मचारियों को 5 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। सांसद ने पत्र में कहा कि पेंशनभोगी कर्मचारियों को अक्सर सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। केंद्र सरकार द्वारा ग्रेच्युटी सीमा में की गई वृद्धि का लाभ राज्य के कर्मचारियों को भी मिलना चाहिए। सांसद ने मुख्यमंत्री से कहा कि ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख रुपये तक बढ़ाने के साथ यह आदेश 1 जनवरी 2024 से लागू किया जाए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारी लाभान्वित हो सकें। वहीं अवकाश नगदीकरण की सीमा 240 दिन से बढ़ाकर 300 दिन किया जाए। साथ ही सातवें वेतन आयोग से जुड़े लंबित लाभ तथा डीए, एरियर का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सांसद ने उम्मीद जताई है कि मुख्यमंत्री अपने राज्य के कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक हितों को लेकर अवश्य ही गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए संबंधित आदेश जारी करेंगे।

पैगंबर साहब के जन्मोत्सव पर शहर में उमड़ा श्रद्धा और एकता का सैलाब

ईद मिलादुन्नबी पर शहर सहित उपनगर और ग्रामीण क्षेत्रों निकला जुलूस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी का पर्व अकीदत के साथ मनाया गया। पैगंबर साहब के जन्मोत्सव पर शहर में श्रद्धा और एकता का सैलाब उमड़ पड़ा। शहर सहित उपनगर और ग्रामीण क्षेत्रों मुस्लिम बंधुओं ने जुलूस निकाला।

मस्जिदों में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। फातिहा के बाद उपस्थित लोगों को शीरीनी वितरित की गई। इस दौरान पैगंबर हजरत मोहम्मद के संदेशों को याद किया गया और सामूहिक रूप से अमन- चैन और तरक्की की दुआ की गई। ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर मस्जिदों में मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया था। इस्लाम धर्म में हर साल रबी उल अव्वल महीने की 12 तारीख को ईद मिलादुन्नबी का त्योहार मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर हजरत मोहम्मद का जन्म मक्का में हुआ था। उन्होंने अल्लाह के संदेशों को सभी तक पहुंचाया। यह त्योहार नबी हजरत मोहम्मद के जीवन और उनके संदेश के प्रति समर्पित होकर मनाया जाता है। पर्व को लेकर शहर और मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623